स्थापित : जुलाई, 1972

स्वर्णिम 50 वर्ष
1972-2022

स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय

पीरनगर, गाजीपुर - 233001 (उ.प्र.)

दूरभाष/फैक्स : 0548-2226349
website : www.sspgc.ac.in
E-mail : sahjanand.gzp@gmail.com

Affiliated to
VBS Purvanchal University
Jaunpur (U.P.)

Recognised by
UGC under section 2 (F) & 12 (B)

स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गाजीपुर
तमसो मा ज्योतिर्गमय

विवरणिका 2022-23

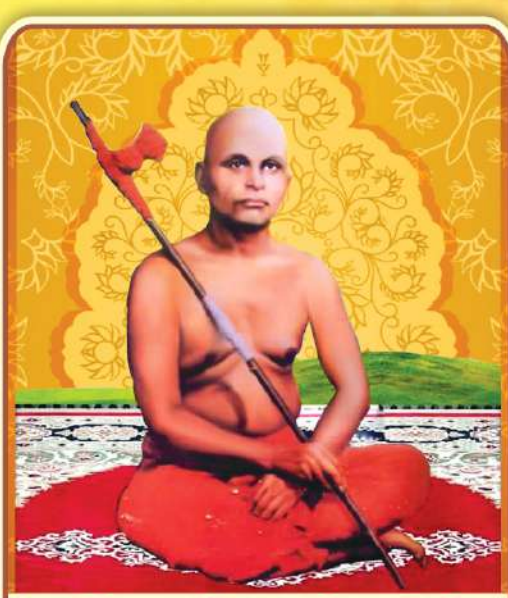

दण्डि-स्वामी सहजानंद सरस्वती
(1889-1950)

Vision

Ours is the vision
to develop the institution
as an excellent center of learning
with a vibrant, stimulating and pro-active natural environment
to nurture unique potentialities of young students-the promising youth
in their formative years, so as to produce skilled and enlightened
man power-valuable assets to the country.

Mission

Truly, missions are always bigger than organization. The destiny of a country is designed and shaped within the walls of a class room. With our teachers, curriculum, the environment and the state-of-the-art facilities, we work together with an aim to translate this belief into pedagogy. We focus on the objectives:

- Preparing graduates and post-graduates in arts and commerce with the vital skills and proficiencies to meet the expectations of the global world.
- To cherish high ideals, moral values and ethics.
- To learn application of knowledge to human and social advancement leading to the service of community, the country and ultimately, the mankind.
- To motivate and inspire them being responsible citizens and contribute building the country great and strong.
- To learn the essence of the legendary ideal : "To Strive, To Seek, To Find, and not to Yield."

स्वामी सहजानन्द सरस्वती : पुण्य स्मरण

(1889-1950)

भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में किसान जागरण के अग्रदूत स्वामी सहजानन्द का जन्म 1889 में महाशिवरात्रि के दिन उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के देवा ग्राम में हुआ था। स्वामी जी का प्रारम्भिक नाम 'नवरंग राय' था, 'होनहार बीरवान के होत चिकने पात' वाली कहावत नवरंग राय के साथ चरितार्थ थी। वह पढ़ने में मेधावी थे। उन्होंने 6 वर्ष की शिक्षा 3 वर्ष में ही प्राप्त कर ली। वह गीता तथा रामायण जैसे धर्मग्रन्थों का भी अध्ययन करते थे। गृहस्थ आश्रम में स्वामी जी को किसी भी प्रकार की सुख-शान्ति का अनुभव नहीं हो रहा था। जिसके चलते उन्होंने गृह परिवार का परित्याग कर दिया और काशी पहुँचकर संन्यास ग्रहण कर लिया तब से उनका नाम स्वामी सहजानन्द हो गया। स्वामी सहजानन्द ने संस्कृत भाषा के साहित्य, व्याकरण एवं षड्दर्शनों का गहन अध्ययन प्रारम्भ किया और स्वामी अच्युतानन्द सरस्वती से दीक्षा लेकर दण्ड ग्रहण किया। तब से वे दण्डी स्वामी सहजानन्द सरस्वती कहलाने लगे।

स्वामी जी के केवल संन्यासी तथा समाज सुधारक ही नहीं थे अपितु एक कुशल राजनीतिज्ञ व नेता भी थे। स्वामी जी विदेशी शासन से होने वाली हानियों से परिचित थे इसलिए वे देश के राष्ट्रीय आन्दोलन में कूद पड़े 5 दिसम्बर, 1920 ई. को महात्मा गाँधी से मुलाकात के बाद उन्होंने असहयोग आन्दोलन और सविनय अवज्ञा आन्दोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया जिस कारण उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। किसानों की दयनीय दशा को देखकर स्वामी जी को बहुत दुःख होता था उनकी दशा में सुधार लाने का उन्होंने बीड़ा उठाया। इसके लिए उन्होंने स्थानीय किसान सभा से लेकर अखिल भारतीय सभा तक का संगठन खड़ा किया जो अपने अधिवेशनों और क्रियाकलाप के द्वारा अपनी माँगों को सरकार से मनवाती थी। स्वामी जी का मानना था कि किसान भारत का मेरूदण्ड हैं। उनकी दयनीय दशा देखकर स्वामी जी का दिल दहल जाता था। उन्हीं में भगवान का दर्शन करते थे। वे उन्हीं की पूजा करते थे और अपने किसान रूपी भगवान का अपमान सहने के लिए तैयार नहीं थे। स्वामी जी ने किसानों की दशा में सुधार लाने के लिए व्रत लिया और उन्होंने अपने जीवन के अन्तिम समय तक इस व्रत का पालन किया। वे किसानों के हित के लिए जमींदारी प्रथा के उन्मूलन को आवश्यक समझते थे।

1936 ई. में जिस अखिल भारतीय किसान सभा की उन्होंने स्थापना की थी, उसके वे तीन बार अध्यक्ष थे और बाकी वर्षों में उसके महासचिव के पद पर आसीन रहे। स्वामी जी के नेतृत्व में अखिल भारतीय किसान सभा देश की आजादी के लिए और जनसाधारण के अधिकारों के लिए दृढ़तापूर्वक लड़ती रही है। उल्लेखनीय है कि युद्धोत्तर काल में किसानों पर सरकार और जमींदार दोनों का अत्याचार हो रहा था। किसान भी लड़ाकू होते जा रहे थे। वे जमींदारी प्रथा समाप्त करने के लिए कानून के निर्माण की माँग कर रहे थे। स्वामी जी के नेतृत्व में ऐसा लगता था कि किसान क्रान्ति की तरफ बढ़ रहे हैं। स्वामी जी जहाँ कहीं संघर्ष में किसानों की सफलता देखते थे, उन्हें अपार खुशी होती थी।

स्वामी जी के धार्मिक विचार भौतिक एवं वैज्ञानिक थे, उन्होंने व्यवहार में देखा था कि धर्म में तर्क, दलील एवं विचार को स्थान नहीं है। उन्होंने यह भी देखा कि पंडितों, मौलवियों एवं धर्माचार्यों की बातों को आँख मूंद कर मानना पड़ता है। शिखा एवं दाढ़ी से ही हिन्दू मुसलमान का परिचय होता है। स्वामी जी ऐसे धर्म के विरोधी थे। उनके अनुसार धर्म में मानवतावाद का अभाव है साथ ही, ऐसा धर्म कई दृष्टियों से हानिकारक है। वे धर्म को व्यक्तिगत वस्तु मानते थे, साथ ही बुद्धि और विवेक पर आधारित मानते थे।

स्वामी जी उच्चकोटि के विद्वान, लेखक और साहित्यकार थे। उन्होंने एक दर्जन से अधिक पुस्तकों की रचना की। तिलक के 'गीता रहस्य' की तरह 'गीता हृदय' उनकी प्रसिद्ध पुस्तक है। हिन्दी, संस्कृत और अंग्रेजी पर भी स्वामी जी का पूरा अधिकार था। स्वामी जी ने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विहटा (पटना) में संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। स्वामी जी की सोच कालजयी थी। उनमें कोई आडम्बर नहीं था। उन्हें किसी पद या पुरस्कार का लोभ नहीं था। उन्होंने मनसा, वाचा, कर्मणा समाज की सेवा की थी। वे सत्यवादी थे उनका अन्दर और बाहर सिद्धान्त और व्यवहार एक समान था। प्राचीन संन्यासियों की भाँति 26 जून, 1950 को 2 बजे रात में स्वामी जी ब्रह्मलीन हो गये।

आज स्वामी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर देश-विदेश में शोध हो रहे हैं। आज के दिग्भ्रमित राजनीतिक समाज को स्वामी जी के जीवन आदर्शों से सुधारा जा सकता है। स्वामी जी का जीवन जहाँ आज के राजनीतिज्ञों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, वहीं साधु, संन्यासियों के लिए भी अनुकरणयी हैं। व्यक्तिगत मुक्ति के लिए आजीवन प्रयास करने के बजाय सेवा में रुचि लेना अधिक श्रेयस्कर है। यही साधुता एवं संन्यास की सार्थकता है। स्वामी जी द्वारा रचित कुछ ग्रन्थ निम्नलिखित हैं– 'कर्म कलाप', 'ब्रह्मर्षिवंशविस्तार', 'ब्राह्मण समाज की स्थिति', 'मेरा जीवन संघर्ष', 'गीता रहस्य', 'गीता हृदय', 'क्रान्ति और संयुक्त मोर्चा', 'किसान सभा के संस्मरण', 'किसान कैसे लड़ते हैं?', 'किसान क्या करें?', 'खेत-मजूदर और झारखण्ड के किसान' इन ग्रन्थों में उनकी आत्मा बोलती है। उनका सिद्धान्त था 'उपदेश से उदाहरण उत्तम है।'

॥ इति॥

पं. केशव प्रसाद शर्मा

(संस्थापक)

पं. केशव प्रसाद शर्मा (संस्थापक) : पुण्य स्मरण

(1920-1993)

स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर के संस्थापक स्व. पं. केशव प्रसाद शर्मा के पिता स्व. विक्रमादित्य शर्मा एवं पितृव्य स्वं. चन्द्रिका प्रसाद शर्मा पर स्वामी सहजानन्द सरस्वती जी के आचरण का गहरा प्रभाव था। उन्हीं दिनों यह ख्याति कि स्वामी जी गाजीपुर जनपद के देवा गाँव के संन्यासी तथा पुराणादि के प्रकाण्ड विद्वान हैं, सर्वत्र फैल गई। वे किसानों को जमींदारों के अत्याचारों से मुक्त कराने के लिए किसान सभा की स्थापना द्वारा जमींदारों के विरुद्ध संघर्ष करने में भी सक्रिय हुए। स्वामी जी के इन कार्यों की जानकारी ने केशव प्रसाद शर्मा को प्रभावित किया और स्वामी के प्रति श्रद्धावान बना दिया।

स्वामी जी शनैः-शनैः उनके परिवार के सदस्यों के निकट सम्पर्क में आते गये। यहाँ तक सम्पर्क बढ़ा कि कलकत्ता आने पर वे उनके हावड़ा आवास पर ठहरने लगे। स्वामी जी के हावड़ा प्रवास में केशव प्रसाद शर्मा जी को उनसे बहुत कुछ सुनने-समझने का तथा सेवा करने का अवसर मिला। शर्मा जी को अनुभव हुआ कि स्वामी जी पलायन करने वाले संन्यासी न होकर एक कर्मनिष्ठ संन्यासी हैं। शर्मा जी एक कर्त्तव्यनिष्ठ शिक्षाव्रती थे। उन्होंने स्वामी जी की अमृत स्मृति में उ.प्र. के इस शैक्षणिक सामाजिक रूप से पिछड़े क्षेत्र गाजीपुर नगर में उनके नाम पर महाविद्यालय खोलने का संकल्प लिया। हावड़ा, कलकत्ता और गाजीपुर जनपद के लोगों ने इस दृढ़संकल्पी, उद्यमी व्यक्ति को इतना अधिक सहयोग और प्रोत्साहन दिया कि सन् 1972 आते-आते वे संकल्प को 'स्वामी सहजानन्द सरस्वती विद्यापीठ महाविद्यालय' के रूप में मूर्तिमान करने में समर्थ हुए। 1996 में स्नातकोत्तर कक्षाओं के आरम्भ होने पर महाविद्यालय अब स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय के नाम से जाना जा रहा है। यह महाविद्यालय स्वामी जी के प्रति पं. केशव प्रसाद शर्मा जी की अटूट श्रद्धा का प्रतीक तो है ही साथ ही उनकी अक्षुण्ण कृति के रूप में उत्तरवाहिनी भागीरथी के तट पर स्थित एक विद्या तीर्थ है।

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में डेढ़गाँवा ग्राम में 1 दिसम्बर, 1920 को जन्मे शर्मा जी ने अपना जीवन कलकत्ता में अध्यापक के रूप में प्रारम्भ किया। बाद में विक्रम विद्यालय, सलकिया, हावड़ा के प्राचार्य हो गये और उसी पद पर अन्त तक सेवारत रहे। इस विद्यालय का हर दृष्टि से अभूतपूर्व विकास करते हुए विक्रम विद्यालय ब्रांच और विक्रम बालिका विद्यालय की स्थापना इन्होंने की। पं. बंगाल के हावड़ा नगर में ही उन्होंने हिन्दी माध्यम का एकमात्र टीचर्स ट्रेनिंग विद्यालय खोला और बारहवीं कक्षा तक एक बालिका विद्यालय भी प्रारम्भ किया। इसके प्रबंधक के रूप में वे निरन्तर कार्यरत रहे। कुशल अध्यापक, सफल प्रशासक, शिक्षाविद् और देशभक्त स्व. पं. केशव प्रसाद शर्मा परमात्मा की दिव्य विभूति थे। इस महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था प्राचीन भारतीय संस्कृति तथा आधुनिक जीवन पद्धति दोनों के समन्वय को दृष्टि में रखकर की गई है। यहाँ शिक्षा तथा अध्यात्म में समन्वय का प्रयास चल रहा है। यहाँ देशभक्ति तथा आदर्श नागरिक के गुणों से सम्पन्न व्यक्तित्व के निर्माण से आपसे सहयोग की आशा की जाती है। हर प्रकार से विकसित तथा ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण महाविद्यालय का मूल लक्ष्य है जिसकी जड़ें भारतीयता में प्रतिष्ठित हों और पल्लवन विश्वव्यापी आधुनिक वातावरण में हो।

॥ इति ॥

RAMAKANT RAI SHARMA
PRESIDENT
COMMITTEE OF MANAGEMENT
SWAMI SAHAJANAND SNATKOTTAR MAHAVIDYALAY, GHAZIPUR

President's Message

It is my pleasure to communicate with you all on the behalf of SWAMI SAHAJANAND SNATKOTTAR MAHAVIDYALAY, GHAZIPUR (U.P.) Education plays a vital role in building future of a person vis-a-vis nation building. Choice of reputed and right subjects plays an important role in the career of a student.

Our college is committed to provide quality education in building the future of today's youth. In the era of globaliation, working environment has become highly competitive and challenging. Instead of integrating materialism through only class room education, the college motivates students to take part in debates, quizzes, seminars, industrial visits, interactive sessions, indoor and outdoor games, hosting of other programmes and activities to inculcate in them sound moral values, strong personality and enthusiasm.

The college has an art of state facility comprising of equipped campus which includes spacious classrooms with Audio-Visual presentation facility, modern computer lab with internet, library with lending and reading facilities, common room, indoor-outdoor games facilities, canteen, seminar hall etc. All these are aimed to make the students ready to face the competitions and challenges in life.

I invite the students and people at large to visit this website regularly to have regular and updated information about the college. This will be of immense help particularly to the students seeking admission in this college.

कुणाल शर्मा
सचिव/प्रबंधक, प्रबन्ध समिति
स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
गाजीपुर

सचिव का संदेश

आह्लादित मन से हम आपका स्वागत इस हर्षानुभूति के साथ करते हैं कि आपने अपने भविष्य एवं व्यक्तित्व निर्माण के लिए इस विद्याभूमि-पुण्यभूमि को चुना है। गंगा के इस पावन तट पर आपकी नैसर्गिक प्रतिभा मुखर हो, आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करे, यही हमारी शुभकामना है। संस्था का कण-कण आपके संस्कार और ज्ञान की श्रीवृद्धि करे, उत्तम चरित्र-आचरण-आत्मबल आपके स्वाभिमान को सचेष्ट करे, आप महाविद्यालय के साथ ही राष्ट्र के गौरवबिन्दु बनें, ऐसी सुव्यवस्था परिसर में उपलब्ध है और इस हेतु हम निरन्तर तत्पर भी हैं।

प्रारम्भ में (जुलाई, 1972) सात शिक्षकों और सात कर्मचारियों तथा 101 विद्यार्थियों से चलकर आज अपने स्वर्ण जयन्ती वर्ष (1972-2022) में महाविद्यालय आज 75 शिक्षक/कर्मचारीगण का एक भरा-पूरा परिवार तथा लगभग 4000 के पार पहुँची छात्र संख्या उत्तरोत्तर प्रगति का साक्ष्य है। 21वीं सदी से सहकार स्थापित रहे इस हेतु समृद्ध कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र एवं दूरस्थ शिक्षा केन्द्र (UPRTOU) से भारी संख्या में शिक्षार्थियों का सहभाग आकर्षण का केन्द्र है।

महाविद्यालय की भौतिक उपलब्धि भी तीव्र प्रगति का साक्षी है। लगभग 8 हेक्टेयर के विस्तृत भू-भाग में अवस्थित महाविद्यालय का प्रशासनिक भवन, चार कक्ष से प्रारम्भ कर 30 व्याख्यान कक्ष, विशाल प्रयोगशाला, हाईटेक कार्यालय एवं पुस्तकालय, अत्याधुनिक संगोष्ठी कक्ष, 100×40 का विराट सभागार, आधुनिक तथा इलेक्ट्रानिक सुविधाओं से सज्जित व्यायामशाला, खेल प्रतिभाओं के मनोनुकूल क्रीड़ा मैदान के साथ ही पेयजल, वाहन स्टैण्ड, वाचनालय, सुसज्जित विभागीय कक्ष एवं दैनिक उपयोग के सहज साधन की उपलब्धता संस्था के प्रगति के महत्वपूर्ण बिन्दु हैं।

डॉ. शशिकांत राय
संयुक्त-सचिव, प्रबंध समिति,
स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
गाजीपुर

शुभकामना संदेश

हमें इस बात की बड़ी प्रसन्नता है कि आपने अपने अध्ययन के लिए हमारी संस्था को चुना है। माँ गंगा के पावन तट पर स्थित स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय पं. केशव प्रसाद शर्मा जी की कीर्ति का अक्षय स्मारक है, इनके भव्यतम स्वप्न एवं उदात्त चिन्तन का मूर्तिमान विग्रह है, जिसका दर्शन होते ही भावोद्रेक से मन प्रफुल्लित हो उठता है। इस विद्यातीर्थ के ईंट-ईंट में शर्मा जी की आत्मा का निनाद सुनायी पड़ता है। पर उसे सुनने, देखने के लिए सच्चे मनस्वी प्रेमी की आवश्यकता है।

हमारी शुभकामना है कि यहाँ अध्ययन कर आप इस महाविद्यालय की पहचान बन राष्ट्र का गौरव और मान-सम्मान बढ़ायें। आप इस विद्यामन्दिर से प्राप्त ज्ञान की सुरभि पूरे विश्व में बिखेरें जिससे इस संस्था का नाम एवं सुकीर्ति चारों तरफ फैले, यही हमारी मंगलकामना है।

Pro. (Dr.) V. K. Rai
Principal
SWAMI SAHJANAND P.G. COLLEGE
GHAZIPUR

Principal's Message

Victor Hugo, the renowned 19th century French philosopher foresightedly pronounced that - "He who opens a school-door, closes a prison." Ignorance, in all classical learning is listed as a serious disease, and to eradicate its black clouds, the masters of our social fabrics established the schools and colleges. The genesis of this temple of learning very much bears the similar spirit.

I am very glad to welcome you all to this lively premises. The institution we represent is a workshop of its own kind with an aim to unlock and unfold the talents and singularities of the promising youth; and to inspire and enable them, in the brighter parts of life, to serve the society and the country as well as responsible citizens of tomorrow.

We are committed to work together with the young students to assist them by all possible means to design their career & growth, and create the academic and cultural perfection and involve the ignited minds to cope with the challenging scenario.

Pursuant to the National Education Policy (NEP) – 2020, we undertake to go through the indefatigable industry to realize the objectives of the policy in all practical purposes. We possess the high-class infrastructure and atmosphere with various faculties and courses, i.e., Faculty of Languages, Arts, Social Sciences & Humanities, and Commerce, paving way to the Quality Education and Co-curricular & Vocational Courses leading to the true worth of knowledge and education.

We, as an institution of higher education re-affirm our commitment to guide and channelise the talents of young students, and with the true spirit of the slogan – Tamso-ma-jyotirgamaya (from darkness to light), we would surely succeed to accomplish the destined goals - "To strike, to seek, to find and not to yield."

कुलगीत

मधुर मनमोहक सुन्दर छन्द।
महाविद्यालय सहजानन्द

गाधिपुर की शोभा में वृद्धि
निरन्तर आध्यात्मिक समृद्धि
स्वामी सहजानन्द गुणगान
महत कर्मों ने दी सम्मान
चतुर्दिक 'केशव' कृत यश-गन्ध
महाविद्यालय.....

अद्‌भुत ऋष्यभूमि वन्दन,
'सन्त पवहारी' कोटि नमन,
'काशी राज' स्नेह अर्पण,
करें हम सबका अभिनन्दन
फैले प्रकाश, हो दूर अन्ध
महाविद्यालय.....

सुरसरि की निर्मल धारा,
प्रक्षालित कण-कण सारा,
प्रकृति ने ली मानो विश्राम
यहाँ सब एक राम-इस्लाम,
भारती राग बहे स्वच्छन्द
महाविद्यालय.....

नव-संस्कृति देते गुरुगण
शिष्य भी पूरा करते प्रण
अवनि का अतुलनीय यह ग्राम
धन्य से धरा भारती धाम
चतुर्दिक विद्यानिल मधु-मन्द
महाविद्यालय.....

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) - 2020

पूर्वांञ्चल विश्वविद्यालय प्रवेश एवं अध्यापन नियमावली - 2021

स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

स्नातक स्तर (UG Level)

(सत्र- 2021-22 से)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार विषयों को संकायों में वर्गीकृत किया गया है–

(नवीन संकाय व्यवस्था अपर मुख्य सचिव, उ.प्र. शासन के पत्र/शासनादेश, दिनांक-15 जून, 2021 के अधीन है)

1. भाषा संकाय

(Faculty of Language)

1. हिन्दी (310)
2. अंग्रेजी (75)
3. संस्कृत (70)
4. उर्दू (70)

2. कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय

(Faculty of Arts, Humanities and Social Sciences)

1. समाजशास्त्र (310)	2. राजनीतिशास्त्र (310)	3. इतिहास-म. (160)
4. इतिहास-प्रा. (160)	5. अर्थशास्त्र (150)	6. दर्शनशास्त्र (150)
7. मनोविज्ञान (100)	8. भूगोल (100)	9. रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन (सैन्य विज्ञान)- (100)
10. शिक्षाशास्त्र (75)	11. शारीरिक-शिक्षा (60)	12. गृह-विज्ञान (60)

नोट- ऊपर विषयों के सम्मुख अंकित संख्या स्नातक प्रथम वर्ष (सेमेस्टर-1) में प्रवेश हेतु अधिकतम छात्र संख्या है। सम्बन्धित विषयों में इससे अधिक प्रवेश नहीं होगा। भाषा तथा कला संकाय में प्रवेश हेतु कुल निर्धारित सीट- 833 है।

3. वाणिज्य संकाय

(Faculty of Commerce)

महाविद्यालय में सर्वप्रथम कला संकाय (तथा भाषा संकाय) स्नातक स्तर की संबद्धता 7 विषयों के साथ वर्ष 1972 में प्राप्त हुई। कालांतर में वाणिज्य संकाय की संबद्धता वर्ष 2001 में प्राप्त हुई, जिसे जनपद में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है। वाणिज्य काय में प्रवेश हेतु निर्धारित सीट-360 है।

प्रवेश प्रक्रिया

(स्नातक स्तर/UG Level)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)-2020 से संबन्धित उच्च शिक्षा अनुभाग, उ.प्र. शासन द्वारा निर्गत विशानिर्देशों के तारतम्य तथा पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रवेश एवं अध्यापन नियमावली 2021 के अनुरूप शैक्षिक सत्र-2021-22 से च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) एवं ग्रेडिंग प्रणाली पर आधारित सेमेस्टर सिस्टम आरंभ किया गया है।

(संदर्भ– उ.प्र. शासन उच्च शिक्षा अनुभाग, शासनादेश, दिनांक- 20.04.2021)

तदनुसार नयी शिक्षा नीति के अंतर्गत स्नातक स्तर पर शैक्षिक सत्र–2021-22 से तथा स्नातकोतर स्तर पर सत्र– 2022-23 से सेमेस्टर प्रणाली लागू होगी। त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष 2 सेमेस्टर की परीक्षा सम्पन्न होगी।

पाठ्यक्रम का स्वरूप– पाठ्यक्रम का स्वरूप एक वर्ष का सर्टिफिकेट, दो वर्ष का डिप्लोमा, तीन वर्ष की स्नातक डिग्री तथा चार वर्ष की स्नातक (शोध सहित) डिग्री इत्यादि होगा।

उच्च शिक्षा कार्यक्रम का प्रथम सोपान– स्नातक पाठ्यक्रम 2+1+1 पद्धति पर आधारित होगा जहाँ 2. मुख्य विषय +1- वैकल्पिक मुख्य विषय +1- वैकल्पिक माइनर एलेक्टिव पेपर +1- अनिवार्य सह-विषय/शैक्षणिक पाठ्यक्रम +1- अनिवार्य कौशल विकास/रोजगारपरक पाठ्यक्रम होंगे।

पात्रता–

स्नातक स्तर पर **कला/भाषा संकाय** के अंतर्गत प्रवेश हेतु छात्र इंटरमीडिएट कला, विज्ञान, वाणिज्य, कृषि अथवा व्यावसायिक वर्ग के विषयों के साथ उत्तीर्ण हो।

वाणिज्य संकाय के अंतर्गत प्रवेश हेतु छात्र इंटरमीडिएट वाणिज्य, कला, (गणित अथवा अर्थशास्त्र सहित), या विज्ञान (गणित सहित) वर्ग से साथ उत्तीर्ण हो।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन वे ही विद्यार्थी कर सकेंगे, जिन्होंने योग्यता प्रदायी परीक्षा 2020 या उसके बाद उत्तीर्ण किया है।

उपरोक्त संकायों में स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु इच्छुक विद्यार्थी महाविद्यालय की वेबसाइट **www.sspgc.ac.in** पर ऑनलाइन **रजिस्ट्रेशन फॉर्म** जमा करेंगे। तत्पश्चात् आवश्यकतानुसार प्रवेश-परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रवेश हेतु आवेदन कर सकेंगे।

प्रवेश मेरिट या आवश्यकतानुसार प्रवेश-परीक्षा के आधार पर होगा।

विषयों/प्रश्नपत्रों का चयन

1. मुख्य विषय (Major Subjects) का चयन–

स्नातक पाठ्यक्रम (भाषा, कला तथा वाणिज्य) प्रथम वर्ष– प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने के लिए इच्छुक विद्यार्थी सर्वप्रथम उपरोक्त अंकित 1, 2 या 3 (संकाय/विषय-सूची) में से अपने संकाय का चुनाव करेगा जिसे **अपना संकाय (Own Faculty)** कहा जाएगा। इस **अपना संकाय** से विद्यार्थी कम से कम **2 मुख्य विषय (First & Second Major Subjects)**

का अनिवार्यतः चयन करेंगे। विद्यार्थी को **1 तृतीय मुख्य विषय (Third Major Subject)** का भी चयन करना होगा जो पूर्व चयनित **अपना संकाय (Own Faculty)** या किसी **अन्य संकाय (Other Faculty)** से भी हो सकता है।

इस प्रकार विद्यार्थी को **3 मुख्य विषयों (Major Subjects)** का चयन करना है जिसमें 2 मुख्य विषयों का चयन अपना संकाय से तथा तीसरे मुख्य विषय का चयन अपना संकाय अथवा अन्य संकाय से हो सकता है।

2. माइनर/एलेक्टिव विषय (Minor Elective Subject) का चयन–

तीन मुख्य विषयों के अतिरिक्त विद्यार्थी को प्रथम 4 सेमेस्टर (स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष) के लिए **एक माइनर एलेक्टिव पेपर (Minor Elective Paper)** का चयन करना होगा जिसका चुनाव उसे **अपने संकाय (Own Faculty)** अथवा **अन्य संकाय (Other Faculty)** से करना है। (यदि विद्यार्थी ने तीनों मुख्य विषय का चुनाव **अपने संकाय** से किया है तो उसे **माइनर एलेक्टिव पेपर अन्य संकाय** से चुनना होगा।)

यदि वह स्नातक प्रथम सेमेस्टर में किसी विषय को माइनर के रूप में चयनित करता है, तो उसकी परीक्षा उसे प्रथम सेमेस्टर में ही देनी होगी, पर यदि वह प्रथम के स्थान पर द्वितीय सेमेस्टर में माइनर विषय चयनित करता है तो उसे उसकी परीक्षा द्वितीय सेमेस्टर में देनी होगी। यही व्यवस्था द्वितीय वर्ष के लिए भी जारी रहेगी।

विद्यार्थी यदि प्रथम सेमेस्टर में चयनित माइनर पेपर की परीक्षा छोड़ देता है अथवा उसमें फेल हो जाने के बाद किसी दूसरे विषय को माइनर के रूप में लेना चाहता है, तो वह द्वितीय सेमेस्टर में ऐसा कर सकता है।

(स्नातक स्तर के विद्यार्थी को माइनर एलेक्टिव विषय का अध्ययन केवल प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में ही करना है– एक माइनर पेपर प्रति वर्ष-तृतीय वर्ष में नहीं. वह अपनी सुविधा से सम अथवा विषम सेमेस्टर में माइनर एलेक्टिव पेपर का चुनाव कर सकता है।)

3. सह-विषय/शैक्षणिक पाठ्यक्रम (Co-curricular Course)-

स्नातक स्तर के प्रत्येक विद्यार्थी को तीन वर्षों (6 सेमेस्टरों) के प्रत्येक सेमेस्टर में एक अनिवार्य **सह-विषय/शैक्षणिक पाठ्यक्रम** का अध्ययन करना अनिवार्य होगा। इस प्रश्न-पत्र की परीक्षा बहुविकल्पीय (MCQ) आधार पर होगी तथा इसे उत्तीर्ण करने के लिए न्यूनतम 40% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। विद्यार्थी की ग्रेड-शीट इसके प्राप्तांक के आधार पर ग्रेड तो अंकित होंगे परंतु इन अंकों को CGPA की गणना में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

सह-विषय/शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की सूची :

वर्ष	सेमेस्टर	पाठ्यक्रम
प्रथम वर्ष	सेमेस्टर-1	भोजन, पोषण और स्वच्छता (Food, Nutrition and Hygiene)
	सेमेस्टर-2	प्राथमिक चिकित्सा और स्वास्थ्य (First Aid and Health)

द्वितीय वर्ष	**सेमेस्टर-3**	शारीरिक शिक्षा और योग (Physical Education and Yoga)
	सेमेस्टर-4	मानव मूल्य और पर्यावरण अध्ययन (Human Values and Environmental Studies)
तृतीय वर्ष	**सेमेस्टर-5**	विश्लेषणात्मक क्षमता और डिजिटल जागरूकता (Analytical Ability and Digital Awareness)
	सेमेस्टर-6	संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास (Communication Skill and Personality skill)

(संदर्भ- उ.प्र. उच्च शिक्षा अनुभाग शासनादेश, दिनांक- 13.07.2021, बिन्दु 7.1)

4. कौशल विकास/रोजगारपरक पाठ्यक्रम (Vocational / Skill Development Course)

स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रत्येक विद्यार्थी को पहले दो वर्षों- प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के 4 सेमेस्टरों में निर्धारित कौशल विकास/रोजगारपरक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। कौशल विकास पाठ्यक्रम 3 क्रेडिट के होंगे तथा प्रत्येक छात्र को प्रथम 2 वर्षों (4 सेमेस्टरों) में 3×4=12 क्रेडिट के 4 पाठ्यक्रम का अध्ययन एवं परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। इन पाठ्यक्रमों के लिए theory एवं skill training का अनुपात 40:60 होगा।

छात्रों को निर्गत सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा पर उनके द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा।

महाविद्यालय में कौशल विकास/रोजगारपरक पाठ्यक्रमों (Vocational Courses) की सूची :

वर्ष	सेमेस्टर	पाठ्यक्रम
प्रथम वर्ष	**सेमेस्टर-1**	1- योगा (Yoga) 2- बागवानी (Gardening)
	सेमेस्टर-2	1. आपदा प्रबंधन (Disaster Management) 2. शारीरिक स्वास्थ्य और जिम ट्रेनर (Physical Fitness & Gym Trainer)
द्वितीय वर्ष	**सेमेस्टर-3**	बेसिक्स ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन (Basics of Computer Application)
	सेमेस्टर-4	बेसिक्स ऑफ एमएस ऑफिस (Basics of MSOffice)

(संदर्भ- उ.प्र. उच्च शिक्षा अनुभाग शासनादेश, दिनांक- 20.04.2021 बिन्दु- 5 तथा शासनादेश दिनांक- 13.07.2021, बिन्दु- 6.1)

निकास (Exit)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)–2020 के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रम (Programme) का स्वरूप इस प्रकार का होगा कि विद्यार्थी को स्नातक स्तर पर एक वर्ष पूर्ण करने पर सर्टिफिकेट तथा दो वर्ष पूर्ण करने पर डिप्लोमा के साथ निकास की सुविधा उपलब्ध होगी। उसे सफलतापूर्वक तीन वर्ष पूर्ण करने पर ही स्नातक की उपाधि (डिग्री) प्राप्त होगी।

परिशिष्ट

स्नातक प्रथम वर्ष– बी.ए./बी.कॉम.- सेमेस्टर-1 में प्रवेश हेतु आवेदन-पत्र में विषयों/प्रश्नपत्रों के चयन का प्रारूप-

प्रवेश हेतु चयनित विषय/प्रश्न-पत्र–

(प्रवेश के पश्चात विषय परिवर्तन नहीं होगा)

मुख्य विषय (Major Subjects/Papers)	1- 2- 3-
माइनर एलेक्टिव विषय/प्रश्नपत्र (Minor Elective सब्जेक्ट/Paper)	4-
सह-विषय/शैक्षणिक पाठ्यक्रम Co-curricular Course/Paper	5-
कौशल विकास/रोजगारपरक पाठ्यक्रम (Vocational/Skill Development Course/Paper)	6-

नोट–

1. प्रत्येक विद्यार्थी को प्रवेश के समय **एक संकाय– (भाषा, कला, वाणिज्य आदि)** का चुनाव करना होगा, जो उनका **अपना संकाय (Own Faculty)** होगा। विद्यार्थी को इस संकाय से **2 मुख्य विषयों** का चुनाव करना होगा। तीसरे **मुख्य विषय (Major Subject)** का चुनाव विद्यार्थी किसी संकाय– **अपना संकाय (Own Faculty)** अथवा **अन्य संकाय (Other Faculty)** से कर सकेगा।
2. विद्यार्थी को **तीसरे मुख्य विषय (Major Subject)** तथा **माइनर एलेक्टिव विषय/पेपर (Minor Elective Paper)** का चयन इस प्रकार करना है कि इनमें से एक अनिवार्यतः अपने संकाय के अतिरिक्त अन्य संकाय से हो। यथा, यदि विद्यार्थी ने तीसरे मुख्य विषय का चुनाव **अपने संकाय** से ही किया है तो उसे माइनर एलेक्टिव विषय का चयन **अन्य संकाय** से करना होगा (उदाहरण के लिए– यदि विद्यार्थी के **तीनों मुख्य विषय** कला संकाय से हैं तो उसे माइनर एलेक्टिव विषय का चयन **अन्य संकाय- भाषा या वाणिज्य** से करना होगा।)
3. स्नातक स्तर के छात्र को माइनर एलेक्टिव विषय/प्रश्न-पत्र का अध्ययन केवल प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में ही करना है (एक माइनर पेपर प्रति वर्ष)।

4. स्नातक स्तर पर प्रत्येक सेमेस्टर में (सभी 6 सेमेस्टर में) एक **सह-शैक्षणिक पाठ्यक्रम (Co curricular Course)** के निर्धारित प्रश्न-पत्र का अध्ययन करना अनिवार्य है।
5. स्नातक स्तर के प्रथम दो वर्षों (चार सेमेस्टर) में **कौशल विकास पाठ्यक्रम (Vocational/Skill Development Course)** के कुल 4 निर्धारित प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना अनिवार्य हैं।

(विस्तृत संदर्भ के लिए विवरणिका देखें)

अधिभार–

स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु–

1. स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी के आश्रित- पुत्र, पुत्री या पुत्र-पुत्री की अविवाहित संतान (जिलाधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र संलग्न करें)	02 अंक
2. दिव्याङ्ग- 50 प्रतिशत या अधिक (मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र संलग्न करें)	02 अंक
3. एनसीसी B सर्टिफिकेट	03 अंक
C सर्टिफिकेट	05 अंक
4. राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता	05 अंक

स्नातकोतर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु–

1. महाविद्यालय से योग्यता-प्रदायी परीक्षा उत्तीर्ण	05 अंक
2. स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी के आश्रित- पुत्र, पुत्री या पुत्र-पुत्री की अविवाहित संतान (जिलाधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र संलग्न करें)	02 अंक
3. दिव्याङ्ग– 50 प्रतिशत या अधिक (मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र संलग्न करें)	02 अंक
4. एनसीसी B सर्टिफिकेट	03 अंक
C सर्टिफिकेट	05 अंक
5. एनएसएस (विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र संलग्न करें)	
एक विशेष शिविर पूर्ण करने पर	02 अंक
दो विशेष शिविर पूर्ण करने पर	03 अंक
6. विश्वविद्यालय/राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में सहभागिता (प्रमाण-पत्र संलग्न करें)	
अंतर-महाविद्यालयीय खेलकूद प्रतियोगिता–	02 अंक
राज्यस्तरीय प्रतियोगिता–	05 अंक

नोट– अधिभार का लाभ प्राप्त करने हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पत्र में इसका उल्लेख करना अनिवार्य है। किसी भी दशा में अधिकतम अधिभार अंक 10 से अधिक नहीं होगा।

प्रवेश हेतु आवेदनपत्र के साथ संलग्न करें–

(स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के लिए)

1. पासपोर्ट साइज का नवीनतम फोटोग्राफ आवेदन-पत्र पर चस्पा करें।
2. हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट के अंकपत्र की स्व-हस्ताक्षरित छायाप्रतियाँ
3. चरित्र तथा स्थानांतरण प्रमाणपत्र
4. अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति के अभ्यर्थी सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत जाति प्रमाणपत्र तथा आय प्रमाणपत्र की स्व-हस्ताक्षरित छायाप्रतियाँ संलग्न करें।
5. आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग (EWS) के अभ्यर्थी सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाणपत्र तथा आय प्रमाणपत्र की स्व-हस्ताक्षरित छायाप्रतियाँ संलग्न करें।
6. अधिभार (वेटेज) के लिए उपयुक्त प्रमाणपत्र की स्व-हस्ताक्षरित छायाप्रति संलग्न करें।
7. ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फार्म (print-out)।

काउंसिलिंग के समय निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रवेशार्थी उक्त समस्त प्रपत्रों/प्रमाणपत्रों की मूल प्रतियों के साथ प्रवेश-समिति के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। प्रवेश के संबंध में प्रवेश-समिति की संस्तुति पर प्राचार्य का निर्णय अंतिम होगा।

स्नातकोत्तर स्तर (PG Level)
(सत्र- 2022-23 से)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)– 2020 से संबन्धित उ.प्र. उच्च शिक्षा परिषद द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों के अनुसार शैक्षिक सत्र– 2022-23 से स्नातकोत्तर स्तर के लिए च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) एवं ग्रेडिंग प्रणाली पर आधारित सेमेस्टर सिस्टम आरंभ किया गया है। प्रत्येक शैक्षिक सत्र में 2 सेमेस्टर की परीक्षा सम्पन्न होगी।

विषय–

1. हिंदी (60)
2. राजनीतिशास्त्र (60)
3. भूगोल (30)
4. मनोविज्ञान (30)
5. रक्षा तथा स्वातंत्रिक अध्ययन (सैन्य विज्ञान) (30)
6. एक.कॉम (60)

पात्रता–

- विद्यार्थी को **अपने संकाय (Own Faculty)** का चुनाव करना है, जैसे- भाषा, कला या वाणिज्य।
- **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम– भाषा/कला संकाय** में प्रवेश हेतु स्नातक तृतीय वर्ष में पठित मुख्य विषयों में से किसी एक का चुनाव किया जा सकता है।
- **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम– वाणिज्य संकाय/एम.कॉम.** में प्रवेश की अर्हता स्नातक (वाणिज्य)/बी.कॉम. उत्तीर्ण है।
- योग्यता प्रदायी परीक्षा (स्नातक) उत्तीर्ण छात्र ही आवेदन करें।
- प्रवेश मेरिट या आवश्यकतानुसार प्रवेश-परीक्षा के आधार पर होगा।
- उपरोक्त स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु इच्छुक विद्यार्थी महाविद्यालय की अधिकृत वेबसाइट www.sspgc.ac.in पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फार्म जमा करेंगे। तत्पश्चात् आवश्यकतानुसार प्रवेश-परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रवेश हेतु आवेदन कर सकेंगे।

आवश्यक सूचना–

परीक्षा फार्म समय से जमा न करने, अपूर्ण जमा करने तथा विश्वविद्यालय द्वारा अस्वीकृत होने की दशा में भी प्रवेश **शुल्क महाविद्यालय द्वारा वापस नहीं किया जायेगा।** क्योंकि इस त्रुटि का उत्तरदायित्व छात्र का है तथा शुल्क विश्वविद्यालय को भेजा जा चुका होता है।

किसी भी कक्षा में प्रवेश के लिए कोई छात्र अधिकार के रूप में **किसी प्रकार का दावा नहीं कर सकता।**

यदि किसी विद्यार्थी ने किसी कक्षा में प्रथम वर्ष की परीक्षा व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में उत्तीर्ण की है तो उसका प्रवेश अगली कक्षा में संस्थागत विद्यार्थी के रूप में नहीं हो सकता।

प्रवेशार्थियों को प्रवेश के समय पूरे सत्र का शुल्क देना होगा।

विश्वविद्यालय या शासन द्वारा शुल्कों में परिवर्तन बिना पूर्व सूचना दिये ही किया जा सकता है। आदेश होने पर बढ़ा हुआ शुल्क जमा करना होगा।

यदि ऐसे प्रमाण मिल जायें कि छात्र/छात्रा ने किसी ऐसे असत्य या अपने अनुशासनहीन और अनुत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार या अनैतिक आचरण की ऐसी शिकायतें जिनसे उनका प्रवेश नहीं किया जा सकता था, छिपाया है तो **उसका प्रवेश कभी भी निरस्त किया जा सकता है।**

गत वर्ष या वर्षों में जो छात्र किन्हीं कारणों से महाविद्यालय में पूरे सत्र शिक्षारत नहीं रहे या अलग रहे तथा विश्वविद्यालय परीक्षा नहीं दिये उन्हें पुनः प्रवेश नहीं दिया जायेगा। समुचित कारण प्रस्तुत करने पर प्रवेश समिति अपवाद स्वरूप प्राचार्य की स्वीकृति से उनके प्रवेश पर विचार कर सकती है।

सत्र के मध्य में महाविद्यालय छोड़ने वाले छात्र या छात्रा प्राचार्य को लिखित सूचना देंगे अन्यथा स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र लेते समय छात्र/छात्रा को पूरे सत्र का बकाया शुल्क देना होगा।

प्रत्येक छात्र/छात्रा को विश्वविद्यालय परीक्षा फार्म विश्वविद्यालय के निर्देश पर महाविद्यालय व्यवस्था के अनुसार भरना अनिवार्य होगा। तभी वे परीक्षा दे पायेंगे।

एक विषय में स्नातकोत्तर कक्षा उत्तीर्ण प्रवेशार्थी को दूसरे विषय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

प्रत्येक कक्षा में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। इसमें कम उपस्थिति की दशा में विद्यार्थी विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकेंगे।

उपस्थिति की यह सीमा विश्वविद्यालय के आदेशानुसार कम या ज्यादा हो सकेगी।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अध्ययन/परीक्षा केन्द्र : स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

परम्परागत शिक्षा प्रणाली से इतर उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए हमारे यहाँ दूरवर्ती शिक्षा योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन/परीक्षा केन्द्र संचालित है। महाविद्यालय में सीटों की संख्या सीमित होने के कारण छात्र/छात्राओं की सुविधा हेतु पारम्परिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त अनेक रोजगारपरक/व्यवसायिक पाठ्यक्रम इस अध्ययन केन्द्र पर उपलब्ध हैं, जिसमें शिक्षार्थियों को गुणवत्तापरक, समयानुकूल एवं राष्ट्र की आकांक्षाओं के अनुरूप शिक्षा प्रदान की जा रही है।

मुक्त विश्वविद्यालय की विशेषताएँ–

1. शिक्षा व्यवस्था एवं सम्पूर्ण पठन-पाठन शिक्षार्थी केन्द्रित है।
2. प्रवेश के उपरान्त पाठ्य-सामग्री विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी जाती है।
3. प्रवेश के लिये सामान्यतः आयु सीमा नहीं है।
4. किसी भी कार्यक्रम के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के चयन में शिक्षार्थी के लिये अनेक विकल्प उपलब्ध हैं, अर्थात् कार्यक्रम के चयन में लचीलापन अन्तर्निहित है।
5. प्रत्येक शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अध्ययन/सम्पर्क/कार्यक्रम केन्द्र पर उपलब्ध पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चयन की सुविधा उपलब्ध है।
6. मुक्त विश्वविद्यालय के किसी कार्यक्रम के प्रवेशार्थी अन्य किसी विश्वविद्यालय में नियमित छात्र रह सकते हैं, परन्तु छात्र को अन्य संस्था में अध्ययनरत रहने की सम्पूर्ण सूचना विश्वविद्यालय को देना अनिवार्य है।
7. नौकरी पेशा वाले व्यक्ति अपने संस्था में सेवारत रहते हुए भी पठन-पाठन कर सकते हैं। परन्तु उन्हें उस संस्था में सेवारत रहने की सम्पूर्ण सूचना विश्वविद्यालय को देना अनिवार्य है।
8. इस व्यवस्था में निर्धारित पाठ्य-क्रम को एक न्यूनतम अवधि से लेकर अधिकतम अवधि के बीच में पूरा करने का प्रावधान है।
9. शिक्षार्थी को एक शैक्षिक सत्र में स्नातक कोर्स के साथ एक डिप्लोमा कोर्स अथवा एक सर्टिफिकेट कोर्स और इसी प्रकार का एक डिप्लोमा कोर्स के साथ एक सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश लेने की सुविधा उपलब्ध है।
10. प्रवेश दो सत्रों (जुलाई/जनवरी) में होता है। जो www.uprtou.ac.in पर आनलाइन करना होता है।
11. समन्वयक एवं सहयोगी शिक्षक बन्धुओं के सक्रिय सहयोग से विभिन्न पाठ्यक्रम में सहायता प्रदान करने हेतु काउन्सलर शिक्षार्थियों को सहयोगी एवं मित्र के रूप में सहायता प्रदान करते हैं।

मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम

स्नातक कला (B.A.), स्नातक वाणिज्य (B.Com.), बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (BCA), बैचलर ऑफ बिजनेस एडमीनिस्ट्रेशन (BBA), मास्टर ऑफ बिजनेस एडमीनिस्ट्रेशन (M.B.A.) स्नातकोत्तर कला (M.A.), गृहविज्ञान, भूगोल, योग, उर्दू, हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, प्राचीन इतिहास, मध्यकालीन इतिहास एवं आधुनिक इतिहास, राजनीति-शास्त्र, शिक्षाशास्त्र, स्नातकोत्तर वाणिज्य (M.Com.), पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक तथा परास्नातक (BLIS) एवं (MLIS), पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और परास्नातक (PGDJMC एवं MJMC), डिप्लोमा-हिन्दी रचनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (P.G-DDCWH), स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोषण में डिप्लोमा (DHEN), ग्रामीण विकास में डिप्लोमा (DRD), वित्तीय प्रबंधन, विपणन प्रबन्धन, उत्पादन प्रबन्धन, मानव संसाधन विकास और कम्प्यूटर (PGDFN, PGEMM, PGEPM, PGDCA)

सर्टिफिकेट कार्यक्रम-जनसंख्या एवं स्वास्थ्य शिक्षा में प्रमाण-पत्र (CPHE), शिशु पालन एवं पोषण में प्रमाण पत्र (CCCN), मानवाधिकार में प्रमाण-पत्र (CHR) पर्यावरण

अध्ययन में प्रमाण-पत्र (CES), आपदा प्रबन्धन में प्रमाण पत्र (CDM), एच.आई.वी. एवं परिवार शिक्षा में प्रमाण-पत्र (CHFE), महिला सशक्तिकरण एवं विकास में प्रमाण पत्र (CWED), योग, कम्प्यूटर, औषधीय एवं सुगन्धीय पौधों की खेती (CCY, CCC, CCMAP)

अध्ययन केन्द्र के सम्पर्क सूत्र– (1) डॉ. नर नारायण राय (समन्वयक) मोबाइल : 9415890058 Email : nnrai11@gmail.com
(2) राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय (कार्यालय) मो. : 9335119535

कम्प्यूटर प्रशिक्षण

महाविद्यालय में कम्प्यूटर प्रशिक्षण की व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत निम्न कोर्स चलाये जाते हैं–

(1) PGDCA (2) पी.जी. डिप्लोमा (3) डी.टी.पी. (4) एकाउन्टिंग (5) 'ओ' लेवल।

विस्तृत जानकारी के लिए श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह (मो.-09838559944) से सम्पर्क करें।

Computer Division

Contact No : 0548-2223108, 9838042774, 9838559944, 939881887

Available Courses

Sl.No.	Course	Detail	Qualification	Duration
1.	PGDCA	Eq. to B.Ed. PGT, Computer Science	Graduation	12 Months
2.	O Level	Required for all, "B" Grade Govt. Job	Intermediate	12 Months
3.	CCC	Essential for all, "C" Grade Govt. Job	High School	3 Months

And many other Job Oriented Courses with Placement Assistance.

Faculty Details

Sl. No.	Name	Exp.	Qualification	Contact No.
1.	Rohit Verma	20 Years	PGDCA	9838042774
2.	Dharmendra Kumar Singh	12 Years	MCA, "B" Level, "A" Level	9838559944
3.	Md. Jilani	5 Years	MCA, PGDCA	9838012669
4.	Shailendra Kumar Singh	4 Years	PGDCA	9793660835
5.	Shrvan Yadav	3 Years	PGDCA, MCA	8808919279

सुविधाएँ

छात्रावास-

महाविद्यालय प्रांगण में सुसज्जित **डॉ. के. डी. राय छात्रावास** है, जिसमें 40 छात्रों के आवास की सुविधा उपलब्ध है। छात्रावास में रैगिंग पर पूर्ण प्रतिबन्ध है। इसकी जाँच के लिए लीगल सेल गठित की गयी है। शिकायत मिलने पर छात्रावास एवं संस्था से निष्कासन के अतिरिक्त पुलिस में शिकायत दर्ज करायी जायेगी। छात्रवास में स्थान सीमित है इसलिए सुदूर अंचल से आने वाले छात्रों को प्राथमिकता दी जायेगी।

छात्रावास शुल्क (प्रति छात्र)-

(क) प्रतिभूति धन रुपये 1000/- (ख) कक्ष शुल्क रुपये 2500/- *(बिजली व्यय मीटर के अनुसार देय होगा)*

छात्रावास छोड़ने के पश्चात् प्रतिभूति धन की वापसी हेतु एक वर्ष के भीतर आवेदन करें, उसके पश्चात् छात्रावास मद में व्यय हो जायेगा।

छात्रावास में प्रवेश लेने पर निर्धारित किराया (न्यूनतम दस माह) देना होगा। बीच में छोड़ने पर पैसा वापस नहीं होगा।

छात्रावास में प्रवेश हेतु कार्यालय से प्राप्त आवेदन-पत्र भरकर छात्रावास अधीक्षक के पास जमा करें। छात्रावास नियमावली आवेदन-पत्र पर अंकित है। विद्यार्थी को मात्र एक चौकी, एक कुर्सी और एक मेज मिलेगा। अनुशासन-विरुद्ध आचरण करने पर उन्हें छात्रावास तक महाविद्यालय के निष्कासित कर दिया जायेगा।

छात्रावास में कक्ष जिसके नाम से दिया गया है उसी को रहना होगा। उसमें अपनी इच्छानुसार दूसरे को रखने का अधिकार नहीं है। इस नियम का उल्लघंन होने पर आवंटित छात्र तथा अवैध ढंग से रहने वाला छात्र जो उपलब्ध होगा, दण्ड का भागी होगा। उसे छात्रावास से निकाल दिया जायेगा।

छात्रावास की सुविधा महाविद्यालय में सीमित है। अगले वर्ष रहने का दावा नहीं किया जा सकता है। अनुत्तीर्ण छात्रों को छात्रावास की सुविधा नहीं मिलेगी। शिकायत पाये जाने पर अगले वर्ष छात्रावास की सुविधा नहीं मिलेगी। परीक्षा समाप्त होते ही छात्रावास खाली करना होगा। ताला बन्द करने वालों पर 300 रुपये अर्थदण्ड लगेगा एवं अगले वर्ष छात्रावास नहीं दिया जायेगा।

छात्रावास में शोर करना, किसी लड़के को धमकाना, हीटर जलाना, ऊँचे स्वर में रेडियो बजाना, कमरे में टी.वी., विडियो या टेप बजाना, मारपीट करना, ताला तोड़ना, बाहरी दुकानदारों से झगड़ना, सामान की क्षति, कर्मचारी से उलझना आदि कार्य अनुशासनहीन आचरण माने जायेंगे। ऐसी शिकायत मिलने पर तत्काल छात्रावास से निकाल दिया जायेगा। चौकी तथा अन्य फर्नीचर तथा ताला के टूटने या जलने पर उसका मूल्य जमा करना पड़ेगा।

छात्रावास अधीक्षक–डॉ. नितिन कुमार राय-8887832518

सहायक अधीक्षक–श्री सन्ने सिंह-9455296062

पुस्तकालय एवं वाचनालय

महाविद्यालय में सुसज्जित, सम्पन्न एवं समृद्ध पुस्तकालय तथा वाचनालय है। इसमें दुर्लभ पुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, शोधग्रन्थ एवं पाठ्य-पुस्तकें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। विभिन्न विषयों में आने वाले 32 जर्नल्स के अतिरिक्त, 6 दैनिक समाचार पत्र, शोध पत्रिकाएँ तथा कई मासिक व साप्ताहिक पत्रिकाएँ भी आती हैं।

पुस्तकालय के नियम–

- शब्दकोष, वार्षिकी, इनसाइक्लोपीडिया आदि सन्दर्भ ग्रन्थ और बहुमूल्य पुस्तकें घर पर अध्ययन के लिए नहीं दी जाती हैं। पुस्तकालय में ही अध्ययन के लिए उपलब्ध होंगे।
- पुस्तकालय के छात्रों को एक बार में दो पुस्तकें जिनका मूल्य रु. 300/- से अधिक न हो, 14 दिन के लिए दी जायेंगी। पुस्तक समय से वापस न करने पर प्रति पुस्तक प्रतिदिन एक रुपये दण्ड देना होगा। यह दण्ड पुस्तकालय में जमा होगा।
- वाचनालय से समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ उसी दिन के लिए परिचय पत्र जमा करने पर दी जायेंगी। परीक्षा आरम्भ होने के पूर्व पुस्तकें वापस करनी होंगी।
- शोध छात्रों को अधिकतम चार पुस्तकें एक साथ मिलेंगी।
- पुस्तकालय महाविद्यालय के कार्यवधि में प्रातः 10.00 से अपराह्न 4.00 बजे तक छात्र/छात्राओं को वाचनालय में पढ़ने की एवं पुस्तकों की आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है।
- पुस्तकालय या वाचनालय में विद्यार्थी को शांत एवं अनुशासित वातावरण बनाये रखना चाहिए जिससे अध्ययन एवं अन्य कार्यों में किसी प्रकार व्यवधान एवं असुविधा न हो।

पुस्तकालय के किसी भी पुस्तक, हस्तलिखित प्रति, सामयिक पत्र/पत्रिकाओं पर किसी प्रकार का चिन्ह लगाना, कुछ लिखना, फाड़ना या किसी प्रकार की क्षति पहुँचाना अनुचित आचरण समझा जायेगा तथा क्षति पहुँचाने वाले विद्यार्थी को क्षतिपूर्ति भी करनी होगी। पुस्तकालयाध्यक्ष किसी विशेष परिस्थिति में किसी विद्यार्थी को पुस्तकालय में जाने या किसी विशेष पुस्तक को देने का निषेध कर सकते हैं।

शुल्क मुक्ति एवं छात्र सहायता

शुल्क मुक्ति के लिए आवेदन पत्र महाविद्यालय कार्यालय से प्राप्त कर निर्धारित तिथि तक भरकर प्रस्तुत करना होगा। आवेदन-पत्र के साथ पिछली संस्था के प्रधानाचार्य द्वारा निर्गत शुल्क मुक्ति प्रमाण एवं अंक-पत्र की प्रतिलिपि संलग्न करना आवश्यक होगा।

शुल्क मुक्ति पिछली परीक्षाओं में प्राप्त अंक, पिछली संस्था में प्राप्त शुल्क मुक्ति एवं आर्थिक स्थिति के आधार पर शासनादेश के अनुसार दी जायेगी।

ऐसे छात्रों को जो आर्थिक रूप से कमजोर एवं अनाथ हों अथवा जिनके अभिभावक किसी प्रकार की सम्पत्ति के अधिकारी न हो अथवा जो अपंग हों, छात्र-सहायता कोष से सहायता दी जाती है। इसके लिए कार्यालय से आवेदन पत्र लेकर उसे निर्धारित तिथि के भीतर भरकर देना होगा।

किसी प्रकार की अनुशासनहीनता या अभद्र व्यवहार प्रदर्शित करने या कक्ष में अनुपस्थित रहने अथवा प्रगति असन्तोषजनक होने पर प्रदत्त सहायता निरस्त हो जायेगी।

किसी प्रकार की छात्रवृत्ति पाने वाले को शुल्क मुक्ति या छात्र सहायता देय नहीं है।

छात्रवृत्ति

अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों को समाज कल्याण विभाग से छात्रवृत्ति दी जाती है। शासन द्वारा सामान्य वर्ग, पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति उपलब्ध करायी जाती है। सम्बन्धित वेबसाइट पर आनलाईन आवेदन करने के पश्चात् आवेदन पत्र की हार्ड कापी एवं जाति, निवास व आय प्रमाण पत्र संलग्न करके महाविद्यालय में निर्धारित समयावधि तक जमा करनी होगी।

रोवर्स-रेंजर्स

स्काउट-गाइड कार्यक्रम का संचालन एवं उसके माध्यम से छात्रों में सामाजिक अभिरुचि जगाना, इस कार्यक्रम का लक्ष्य है। महाविद्यालय के निम्न शिक्षक इस योजना के लीडर/कार्यक्रम अधिकारी हैं जिनसे छात्रों को पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है। यहाँ के छात्र कई बार राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। रेंजर्स टीम छात्राओं की होती है जिसकी प्रभारी एक महिला शिक्षिका हैं।

सम्पर्क सूत्र– (1) **श्रीमती निवेदिता सिंह** (प्रभारी रेंजर्स) 9452845981 (2) **श्री सतीश कुमार राय (द्वितीय)** (प्रभारी रोवर्स) 9415069522

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

महाविद्यालय में रा.से.यो. की दो इकाईयां है : इसमें दो वर्ष तक 120 घंटे सेवा करने तथा सप्त दिवसीय विशेष शिविर में भाग लेने के बाद ही प्रमाण-पत्र मिल सकेगा।
सम्पर्क सूत्र– (1) **श्री सन्नो सिंह** (प्रभारी) 9455296062 (2) **डॉ. नितिन कुमार राय** (प्रभारी) 8887832518

नेशनल कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

92 यू.पी. बटालियन एन.सी.सी. पत्र दिनांक 31, अगस्त 2019, पत्रांक 205/G एवं पत्रांक 251/02 RE-org/var-A/P&C दिनांक 27 अगस्त, 2019 द्वारा महाविद्यालय को 3/92 coy एन.सी.सी. सब यूनिट 2 प्लाटून 100 कैडेट (सीनियर डिविजन/सीनियर विंग्स) आवंटित किया गया है।

नोट- एन.सी.सी. 'बी' सार्टिफिकेट आर्मी विंग्स भर्ती प्रक्रिया में महाविद्यालय के बी.ए. एवं बी.कॉम भाग-1 के संस्थागत विद्यार्थी ही सम्मिलित होंगे। जिनकी आयु 16 वर्ष से कम एवं 26 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये। एन.सी.सी. प्रशिक्षण के लिए महाविद्यालय में फायरिंग रेंज की सुविधा उपलब्ध है।

सम्पर्क सूत्र– (1) **ले. (डॉ.) विलोक सिंह** (A.N.O) 9453106884

क्रीड़ा

विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के उत्थान के लिए यहाँ वॉलीबाल, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, कबड्डी एवं एथलेटिक आदि खेल की सुविधा है। खेलकूद के लिए आवश्यक सभी उपकरण उपलब्ध हैं। छात्र क्रीड़ा अधीक्षक एवं कोच से सम्पर्क करके विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। 95×175 मीटर का बाउण्ड्री वाल से घिरा क्रीड़ा प्रांगण तथा पक्का बैडमिण्टन कोर्ट है।

सम्पर्क सूत्र– (1) **श्री रामधारी राम** (क्रीड़ा अधीक्षक)-9984809085 (2) **श्री संजय कुमार राय** (कोच)-9721108393

पत्रिका

महाविद्यालय से **निवेदिता** पत्रिका प्रकाशित होती है। इसमें विद्यार्थियों के उल्लेखनीय कार्यों, विचारों एवं भावनाओं का प्रकाशन होता है। इसमें महाविद्यालय परिवार के बहुआयामी विचारों का संकलन तथा विद्यार्थियों के बहुमुखी व्यक्तित्व के विकास एवं उनके ज्ञानवर्धक रचनाओं के प्रकाशन का अवसर मिलता है। इसमें महाविद्यालय अनुशासन, चरित्र निर्माण और राष्ट्रीयता अस्तित्व को स्थापित करने में अपनी अहम् भूमिका का योगदान देता है। अपेक्षा की जाती है कि छपने के लिए जो भी सामग्री दी जाये वह फुलस्केप आकार के कागज पर एक ओर साफ लिखी होनी चाहिए। रचनाएँ निर्धारित तिथि तक संपादक मण्डल के पास जमा करनी होगी।

परिचय-पत्र

महाविद्यालय के प्रत्येक छात्र/छात्रा को अपना परिचय-पत्र प्रत्येक सत्र में नया बनवा लेना आवश्यक है। परिचय-पत्र पर प्राचार्य का हस्ताक्षर अनिवार्य है। महाविद्यालय में इलेक्ट्रानिक परिचय-पत्र दिया जाता है। बिना परिचय-पत्र के महाविद्यालय में प्रवेश वर्जित है। प्रत्येक विद्यार्थी को महाविद्यालय में अपने साथ परिचय-पत्र सदैव रखना अनिवार्य है। कहीं भी उसे दिखाने पर ही विद्यार्थी को उसकी प्रमाणिकता साबित होगी। जब भी कोई प्राध्यापक/महाविद्यालय का कोई अधिकारी, कर्मचारी परिचय-पत्र मांगे तो विद्यार्थी को तुरन्त प्रस्तुत करना होगा। परिचय-पत्र खो जाने पर पुनः 25 रुपये देकर द्वितीय परिचय-पत्र प्राप्त किया जा सकता है।

साईकिल स्टैण्ड

विद्यार्थियों की सुविधा के लिए महाविद्यालय में एक साईकिल स्टैण्ड पश्चिमी गेट पर निर्मित है, जहाँ वे अपनी साईकिल ताला बन्द करके रखेंगे, इसके लिए प्रवेश शुल्क के अतिरिक्त निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। साईकिल स्टैण्ड शुल्क सभी के लिए बराबर एवं अनिवार्य रूप से लागू है। निर्धारित स्थान से अलग साईकिल रखने वाला छात्र 100 रुपया अर्थ-दण्ड का भागी होगा। साईकिल स्टैण्ड के बाहर अथवा बिना शुल्क जमा किये रखी साईकिलों के गायब होने की कोई जिम्मेवारी संस्था की नहीं होगी।

उपस्थिति

प्रत्येक विषय में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। इससे कम की दशा में विद्यार्थी विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकेंगे।

चिकित्सा

छात्रों के लिए प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा महाविद्यालय में उपलब्ध है। अनुभवी चिकित्सक डॉ. जयराम राय, गोराबाजार इस महाविद्यालय के डॉक्टर के रूप में मनोनीत हैं। प्राथमिक चिकित्सा की दवायें महाविद्यालय में उपलब्ध हैं। प्रभारी शिक्षक से सम्पर्क करने पर दवा मिल सकेगी। प्रभारी–**डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, 8545904673**

अपेक्षायें

स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विद्यार्थियों से निम्न अपेक्षाएँ की जाती हैं–

- महाविद्यालय के उद्देश्य एवं कार्यक्रमों की पूर्ति में सहयोग।
- सदाचार एवं अनुशासन।
- गम्भीर एवं उच्च अध्ययनशीलता।
- महाविद्यालय भवन एवं परिसर की स्वच्छता सुनिश्चित करना।
- शांति एवं शांत वातावरण, प्राकृतिक सुषमा, उत्तम अनुशासन और उत्कृष्ट अध्यापन संस्था की पहचान है। इसको बनाए रखना इस संस्था के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य है।

महाविद्यालय में प्रवेश के समय दर्ज मोबाइल नम्बर और ई-मेल आई.डी. को महाविद्यालय में अध्ययन काल में न बदलें।

छात्र/छात्राओं को आवश्यक सूचना सरलता से उपलब्ध कराने हेतु महाविद्यालय के वेबसाइट पर अद्यतन् सूचना उपलब्ध रहेगी अतः विद्यार्थी नियमित रूप से वेबसाइट के सूचना पट्ट का अवलोकन करते रहें। इसके अतिरिक्त सूचनाएं महाविद्यालय में स्थापित सूचना पट्ट पर भी रहेंगी।

अनुशासन सम्बन्धी निर्देश–

निम्नांकित सभी धाराओं का अनुपालन महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है, इसका उल्लंघन किसी भी प्रकार क्षम्य नहीं होगा तथा महाविद्यालय प्रशासन उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक/दण्डात्मक कार्यवाही करने लिए बाध्य होगा–

- छात्र/छात्राओं को अपना परिचय-पत्र सदैव साथ रखना होगा। परिचय-पत्र माँगने पर न दिखाना दण्डनीय माना जायेगा।
- छात्र/छात्राएँ अपने निर्धारित कक्षा के अतिरिक्त किसी अन्य कक्षा में पाये जायेंगे तो इसे अनुशासनहीनता माना जायेगा, जो दण्डनीय होगा।
- महाविद्यालय परिसर में अनावश्यक इधर-उधर घूमना वर्जित है।
- प्रत्येक छात्र/छात्रा पुस्तकालय, कार्यालय आदि के किसी भी खिड़की पर पंक्तिबद्ध होकर ही सुविधा का उपयोग करेंगे। इसका व्यतिक्रम अनुशासनहीनता होगी।
- अभद्र आचरण की शिकायत मिलने पर अभिभावक को सूचित करने के बाद सम्बन्धित छात्र को महाविद्यालय से निकाल दिया जायेगा।
- महाविद्यालय परिसर एवं कक्षाओं में मोबाइल फोन बन्द रखना होगा।
- महाविद्यालय परिसर में लगे पेड़-पौधों एवं फूल-पत्तियों को किसी भी तरह का नुकसान पहुँचाना अनुशासनहीनता माना जायेगा।
- कक्षाओं के विद्युत उपकरणों को सुरक्षित रखना होगा तथा उसमें किसी भी प्रकार की क्षति दण्डनीय है।
- महाविद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने के पूर्व प्रबंध समिति एवं प्राचार्य से पूर्वानुमति लेनी होगी।
- पान, गुटका, सुर्ती, बीड़ी, सिगरेट अथवा अन्य नशा का सेवन करके परिसर में आना, रास्ते पर खड़ा होना, शिक्षकों की कुर्सी पर बैठना और छात्राओं पर छींटाकशी जैसे कार्यों को अनुशासनहीन आचरण माना जायेगा।

उपलब्धियाँ एवं भावी प्रस्ताव

महाविद्यालय सेवा से आशीष प्राप्त विद्यार्थी राष्ट्रीय, अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान कायम कर रहे हैं। इस संस्था से जुड़े विद्यार्थी महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं सामाजिक पदों पर सेवारत हैं। कला एवं वाणिज्य संकाय में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने के लिये हम प्रयासरत हैं। स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय, चार वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP) इंटीग्रेटेड कोर्स-बी.ए.-बी.एड., 'बी.एस-सी.-बी.एड.' एवं बी.एल-एड. एवं स्नातकोत्तर स्तर पर समाजशास्त्र एवं इतिहास विषय का पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु महाविद्यालय प्रशासन प्रयासरत है।

समितियाँ

1. **प्राचार्य अकादमिक समिति :** प्राचार्य/संयोजक–प्रो. (डॉ.) वी. के. राय
सदस्य– प्रो. रामनगीना सिंह यादव, प्रो. अवधेश नारायण राय, श्री अजय कुमार राय, प्रो. गायत्री सिंह, डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, डॉ. मधुसूदन मिश्र, डॉ. श्यामनारायण राय, डॉ. नर नारायण राय

2. **अनुशासन समिति/लीगल सेल :** चीफ प्राक्टर– प्रो. अजय कुमार राय,
प्राक्टर– प्रो. रामनगीना सिंह यादव, प्रो. अवधेश नारायण राय, डॉ. नितिन कुमार राय, श्री अवधेश कुमार पाण्डेय, डॉ. अभय कुमार मालवीय, श्री नित्यानन्द राय, श्री सन्ने सिंह, डॉ. विशाल सिंह, डॉ. सतीश कुमार राय (द्वितीय), डॉ. कंचन सिंह, डॉ. विभा राय

3. **प्रभावी शिकायत निवारण प्रकोष्ठ :** समन्वयक- डॉ. नितिन कुमार राय
सदस्य– डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, डॉ. मधुसूदन मिश्र, डॉ. अभय कुमार मालवीय, डॉ. विजय कुमार ओझा, डॉ. नरनारायण राय, सुश्री सौम्या वर्मा

4. **महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ :** संयोजक-प्रो. गायत्री सिंह
सदस्य– सुश्री निवेदिता सिंह, सुश्री तूलिका श्रीवास्तव, श्रीमती डॉ. कंचन सिंह, डॉ. विभा राय, डॉ. प्रियंका यादव, डॉ. शिल्पी सिंह

5. **अनु.जाति/जनजाति छात्र/छात्रा शिकायत निवारण प्रकोष्ठ :** संयोजक- श्री रामधारी राम
सदस्य– श्री विजय कुमार चौहान, श्री सुरेन्द्र प्रजापति, सुश्री तूलिका श्रीवास्तव, डॉ. प्रियंका यादव

6. **एण्टी रैगिग मॉनिटरिंग कमेटी एवं एण्टी रैगिग स्क्वायड :** समन्वयक- प्रो. अवधेश नारायण राय
सदस्य– श्री अजय कुमार राय, डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, डॉ. नितिन कुमार राय, श्री विनय कुमार चौहान, डॉ. अवधेश कुमार पाण्डेय, डॉ. नर नारायण राय, डॉ. अभय कुमार मालवीय, श्री सतीश कुमार राय (द्वितीय)

7. **क्रीड़ा समिति :** संयोजक- श्री रामधारी राम
सदस्य– डॉ. विलोक सिंह, डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, श्री सन्ने सिंह, श्री राजेश गुप्ता, श्री सतीश कुमार राय (द्वितीय), डॉ. सुजीत कुमार, श्री संजय कुमार राय, श्री अरविन्द यादव, डॉ. कंचन सिंह, सुश्री तूलिका श्रीवास्तव

8. **परामर्श एवं कैरियर संवर्द्धन प्रकोष्ठ :** समन्वयक– प्रो. अजय कुमार राय
सदस्य– डॉ. विलोक सिंह, डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, डॉ. कृष्णकांत दूबे, सुश्री तूलिका श्रीवास्तव, श्री अवधेश कुमार पाण्डेय, डॉ. देव प्रकाश राय, डॉ. विभा राय

9. **नियोजन प्रकोष्ठ/प्लेसमेंट सेल :** समन्वयक– डॉ. विलोक सिंह
सदस्य– डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, डॉ. देव प्रकाश राय, डॉ. अभय कुमार मालवीय, डॉ. विजय कुमार ओझा, डॉ. शिल्पी सिंह, डॉ. विभा राय, डॉ. राकेश पाण्डेय, श्री कृष्णकांत दूबे, श्री अरविन्द यादव

10. **समान अवसर प्रकोष्ठ :** समन्वयक- डॉ. गायत्री सिंह
सदस्य– श्री रामधारी राम, डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ. नर नारायण राय, डॉ. विभा राय

11. **छात्रवृत्ति समिति :** उपप्राचार्य/संयोजक- प्रो. राम नगीना सिंह यादव
सदस्य– डॉ. विलोक सिंह, डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, श्री रामधारी राम, निवेदिता सिंह, डॉ. जयशंकर राय, डॉ. कंचन सिंह, डॉ. प्रियंका यादव

12. **छात्रावास संचालन समिति–** डॉ. नितिन कुमार राय (छात्रावास अधीक्षक)
सहायक अधीक्षक–श्री सन्ने सिंह
वार्डेन– डॉ. सतीश कुमार राय (द्वितीय)
सदस्य– श्री नित्यादनन्द राय, डॉ. विजय कुमार ओझा, श्री संजय कुमार राय, श्री विनय कुमार चौहान

13. **छात्र सहायता कोष समिति** : संयोजक-डॉ. नितिन कुमार राय
सदस्य– श्रीमती डॉ. गायत्री सिंह, श्री रामधारी राम, श्री सन्ने सिंह, डॉ. विलोक सिंह, डॉ. श्याम नारायण राय, डॉ. जयशंकर राय, श्री राजेश गुप्ता

14. **पुस्तकालय/वाचनालय समिति :** संयोजक– प्रभारी डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी
सदस्य– श्री राकेश पाण्डेय, सुश्री सौम्या वर्मा, डॉ. सतीश कुमार राय (द्वितीय)

15. **पत्रिका समिति :** संयोजक– प्रो. अजय कुमार राय
सदस्य– डॉ. मधुसूदन मिश्र, डॉ. कृष्णानंद दूबे, श्री सुरेश कुमार प्रजापति, सुश्री तूलिका श्रीवास्तव, डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ. सतीश कुमार राय, डॉ. देव प्रकाश राय, डॉ. अभय कुमार मालवीय

16. **शिक्षक कल्याण समिति :** संयोजक- प्रो. अवधेश नारायण राय
सदस्य– डॉ. विलोक सिंह, डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, डॉ. नितिन कुमार राय, डॉ. नर नारायण राय, डॉ. सतीश कुमार पाण्डेय, श्री राजेश गुप्ता, विनय कुमार चौहान

17. **छात्र कल्याण समिति (छात्रसंघ) :** संयोजक/उप प्राचार्य– प्रो. राम नगीना सिंह यादव
सदस्य– प्रो. अवधेश नारायण राय, प्रो. अजय कुमार राय, श्री रामधारी राम, डॉ. विलोक सिंह, डॉ. नितिन कुमार राय, डॉ. देव प्रकाश राय, डॉ. अभय कुमार मालवीय

18. **चिकित्सा समिति :** संयोजक– डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी
सदस्य– डॉ. गायत्री सिंह, सुश्री निवेदिता सिंह, श्री सुरेश कुमार प्रजापति, डॉ. विजय कुमार ओझा, डॉ. सुजीत कुमार, डॉ. प्रियंका यादव

19. **वार्षिकोत्सव/सांस्कृतिक समिति :** संयोजक– डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी
सदस्य– डॉ. मधुसूदन मिश्र, श्री सन्ने सिंह, डॉ. नर नारायण राय, डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ. सतीश कुमार राय (द्वितीय), डॉ. शिल्पी सिंह, डॉ. प्रियंका यादव, सुश्री निवेदिता सिंह, सुश्री तूलिका श्रीवास्तव, श्री अरविन्द कुमार यादव

20. **वृक्षारोपण समिति :** संयोजक– श्री नित्यानन्द राय
सदस्य– डॉ. विवेक सिंह, डॉ. सतीश कुमार पाण्डेय, डॉ. कृष्णकान्त दूबे, श्री सुरेश कुमार प्रजापति, डॉ. सुजीत कुमार, डॉ. विभा राय, डॉ. प्रियंका यादव

21. **आन्तरिक गुणवत्ता संवर्धन प्रकोष्ठ (IQAC) :** संयोजक– डॉ. विलोक सिंह

22. **नैक संचालन समिति :** संयोजक– डॉ. विलोक सिंह
सदस्य– प्रो. अवधेश नारायण राय, श्री अजय कुमार राय, डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, डॉ. अरविन्द यादव, श्री सन्ने सिंह, डॉ. नर नारायण राय, डॉ. देव प्रकाश राय, डॉ. अभय कुमार मालवीय, श्री नित्यानन्द राय, डॉ. शिल्पी सिंह, सुश्री विभा राय

23. **विकास समिति :** संयोजक : प्रो. राम नगीना सिंह यादव
सदस्य– श्री रामधारी राम, श्री राजेश गुप्ता, डॉ. प्रियंका यादव, श्री शशांक शेखर राय

24. **यू.जी.सी. समिति :** संयोजक– डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी
सदस्य– श्री अजय कुमार राय, श्री रामधारी राम, डॉ. विलोक सिंह, डॉ. नितिन कुमार राय, सुश्री निवेदिता सिंह, डॉ. देव प्रकाश राय, डॉ. शिल्पी सिंह

25. **पुरातन छात्र सम्मेलन प्रकोष्ठ :** संयोजक– डॉ. विलोक सिंह
सदस्य– डॉ. देव प्रकाश राय, डॉ. राकेश पाण्डेय, श्री कृष्णकान्त दूबे, श्री अरविन्द यादव

26. **अनुसंधान समिति :** प्राचार्य/संयोजक– प्रो. (डॉ. बी. के. राय)
सदस्य– प्रो. राम नगीना सिंह यादव, डॉ. गायत्री सिंह, डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ. श्याम नारायण राय

27. **मीडिया प्रभारी :** (1) डॉ. त्रिलोक सिंह, (2) डॉ. कृष्णानंद चतुर्वेदी, (3) डॉ. नर नारायण राय

28. **जनसूचना अधिकारी–** डॉ. विशाल सिंह, श्री राजेश गुप्ता, डॉ. कृष्णकांत दुबे

29. **परीक्षा समिति–** प्रो. राम नगीना सिंह यादव (प्रभारी)
सदस्य– प्रो. अवधेश नारायण राय, डॉ. विशाल सिंह, डॉ. विजय कुमार ओझा, श्री नित्यानन्द राय, डॉ. सतीश पाण्डेय, प्रो. अवधेश कुमार पाण्डेय

30. **शिक्षणेत्तर एवं राष्ट्रीय पर्व समिति–** प्रो. रामनगीना सिंह यादव (प्रभारी)
डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, श्री रामधारी राम, डॉ. मधुसूदन मिश्र, श्री सुरेश कुमार प्रजापति, डॉ. सतीश कुमार राय, डॉ. प्रियंका यादव (सदस्य)

स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

प्राध्यापक मण्डल

क्र.सं.	नाम	पद/विषय
1.	**प्रो. वी. के. राय**	**प्राचार्य एवं प्रोफेसर**
2.	प्रो. राम नगीना सिंह यादव	प्रो./अध्यक्ष-मनोविज्ञान एवं उप-प्राचार्य
3.	श्री अवधेश नारायण राय	एसोसिएट प्रो./अध्यक्ष, समाजशास्त्र
4.	श्री अजय कुमार राय	एसोसिएट प्रो./अध्यक्ष, अंग्रेजी
5.	प्रो. गायत्री सिंह	प्रो./अध्यक्ष, भूगोल
6.	श्री रामधारी राम	असिस्टेन्ट प्रो./अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा
7.	ले. (डॉ.) विलोक सिंह	एसो. प्रो., समाजशास्त्र
8.	डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी	एसो. प्रो., राजनीतिशास्त्र
9.	डॉ. मधुसूदन मिश्र	एसोसिएट प्रो./अध्यक्ष, हिन्दी
10.	श्री सत्रे सिंह	असिस्टेन्ट प्रो., भूगोल
11.	डॉ. नितिन कुमार राय	असिस्टेन्ट प्रो., अर्थशास्त्र
12.	श्रीमती निवेदिता सिंह	असिस्टेन्ट प्रो., इतिहास
13.	श्री राकेश पाण्डेय	असिस्टेन्ट प्रो., हिन्दी
14.	डॉ. विशाल सिंह	असिस्टेन्ट प्रो., अर्थशास्त्र
15.	श्री राजेश गुप्ता	असिस्टेन्ट प्रो., समाजशास्त्र
16.	श्री विनय कुमार चौहान	असिस्टेन्ट प्रो., समाजशास्त्र
17.	श्री सुरेश कुमार प्रजापति	असिस्टेन्ट प्रो., हिन्दी
18.	डॉ. कृष्णकांत दुबे	असिस्टेन्ट प्रो., संस्कृत
19.	सुश्री तूलिका श्रीवास्तव	असिस्टेन्ट प्रो., मनोविज्ञान
20.	श्री अरविन्द यादव	असिस्टेन्ट प्रो., संस्कृत
21.	श्रीमती सौम्या वर्मा	असिस्टेन्ट प्रो., सैन्य विज्ञान
22.	श्री अवधेश कुमार पाण्डेय	असिस्टेन्ट प्रो. राजनीति शास्त्र
23.	डॉ. नरनारायण राय	असिस्टेन्ट प्रो. राजनीतिशास्त्र
24.	डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव	असिस्टेन्ट प्रो. हिन्दी
25.	डॉ. श्याम नारायण राय	असिस्टेन्ट प्रो./अध्यक्ष, वाणिज्य
26.	डॉ. सतीश कुमार पाण्डेय	असिस्टेन्ट प्रो. वाणिज्य
27.	डॉ. सतीश कुमार राय	असिस्टेन्ट प्रो. हिन्दी
28.	डॉ. देव प्रकाश राय	असिस्टेन्ट प्रो. वाणिज्य
29.	डॉ. जय शंकर राय	असिस्टेन्ट प्रो. वाणिज्य
30.	डॉ. अभय कुमार मालवीय	असिस्टेन्ट प्रो. वाणिज्य
31.	श्री नित्यानन्द राय	असिस्टेन्ट प्रो. पर्यावरण
32.	डॉ. विजय कुमार ओझा	असिस्टेन्ट प्रो. वाणिज्य
33.	डॉ. सुजीत कुमार	असिस्टेन्ट प्रो. भूगोल
34.	श्रीमती डॉ. कंचन सिंह	असिस्टेन्ट प्रो. मनोविज्ञान
35.	डॉ. सतीश कुमार राय	असिस्टेन्ट प्रो. रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन
36.	डॉ. विभा राय	असिस्टेन्ट प्रो. रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन
37.	डॉ. प्रियंका यादव	असिस्टेन्ट प्रो. गृहविज्ञान
38.	डॉ. शिल्पी सिंह	असिस्टेन्ट प्रो. वाणिज्य
39.	श्री संजय कुमार राय	कोच

प्रबन्ध समिति द्वारा नियुक्त अंशकालिक प्रवक्ता

1.	दर्शनशास्त्र	अंशकालिक प्रवक्ता

स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
शोध निर्देशकों की सूची

महाविद्यालय में पी.एच.डी. करने की सुविधा निम्न विभागों/विषयों में उपलब्ध है पी-एच.डी. में प्रवेश विश्वविद्यालय के नियमानुसार एवं विश्वविद्यालय द्वारा इस हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा द्वारा होता है। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों/विषयों में शोध निर्देशकों की सूची निम्नवत् है–

क्रम सं.	शोध निदेशक का नाम	विषय
1.	डॉ. राम नगीना सिंह यादव	मनोविज्ञान
2.	डॉ. गायत्री सिंह	भूगोल
3.	डॉ. विलोक सिंह	समाजशास्त्र
4.	डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी	राजनीतिशास्त्र
5.	डॉ. मधुसूदन मिश्र	हिन्दी
6.	डॉ. नितिन कुमार राय	अर्थशास्त्र
7.	डॉ. नर नारायण राय	राजनीतिशास्त्र
8.	डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव	हिन्दी
9.	डॉ. श्याम नारायण राय	वाणिज्य
10.	डॉ. सतीश कुमार पाण्डेय	वाणिज्य
11.	डॉ. सतीश कुमार राय	हिन्दी
12.	डॉ. देव प्रकाश राय	वाणिज्य
13.	डॉ. जयशंकर राय	वाणिज्य
14.	डॉ. अभय कुमार मालवीय	वाणिज्य
15.	डॉ. विजय कुमार ओझा	वाणिज्य

स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

कार्यालय

क्रम सं.	कार्यालय मण्डल	पद
1.	श्री ओम प्रकाश राय	आशुलिपिक
2.	श्री शशांक शेखर राय	सहायक लेखाकार
3.	श्री अरविन्द कुमार राय	प्रयोगशाला सहायक (मनोविज्ञान)
4.	श्री प्रशान्त कुमार राय	नैत्यिक लिपिक
5.	श्री प्रवीण कुमार राय (प्रथम)	लिपिक कार्यालय प्रभारी
6.	श्री सत्येन्द्र बहादुर राय	लिपिक वाणिज्य
7.	श्री शरद कुमार राय	लिपिक पी.जी.
8.	श्री समीर कुमार राय	लिपिक वाणिज्य
9.	श्री पुष्कर देव सारस्वत	लिपिक
10.	श्री अमित कुमार राय	लिपिक

पुस्तकालय

क्रम.सं.	कार्यालय मण्डल	पद नैतिक
1.	श्री आशीष कुमार राय (प्रथम)	पुस्तकालय लिपिक
2.	श्री प्रवीण कुमार राय (द्वितीय)	लिपिक
3.	श्री पंकज राय	लिपिक
4.	श्री महेन्द्र सिंह यादव	परिचारक

कर्मचारी

क्रम सं.	कार्यालय मण्डल	पद
1.	श्री सुरेन्द्र प्रसाद	परीक्षा विभाग
2.	श्री बाके राम	माली
3	श्री अभय नारायण सिंह यादव	लैबवियरर (शिक्षाशास्त्र)
4.	श्री मोहन लाल पाल	लैबवियरर (मनोविज्ञान)
5.	श्री अखिल राय	परिचारक
6.	श्री मनोज राम	सफाईकार
7.	श्री सन्तोष राम	लैबवियरर (रक्षा एवं स्वातज्रिक अध्ययन)
8.	श्री महेन्द्र राम	सफाईकार
9.	श्री मुन्ना	परिचारक
10.	श्री सर्वेश कुमार गुप्ता	चौकीदार
11.	श्री धर्मेन्द सिंह कुशवाहा	परिचारक
12.	श्री शेषनाथ सिंह यादव	चौकीदार
14.	श्रीमती साधना यादव	परिचारिका

स्नातक-भाषा एवं कला संकाय के लिए कक्षागत निर्धारित शुल्क विवरण

कक्षाएँ	भाग	सीट	कक्षाओं के शुल्क		
			बिना प्रयोगात्मक	एक प्रयोगात्मक	दो प्रयोगात्मक
बी.ए.-1	सेमे.-I	833	2179/-	2444/-	2709/-
बी.ए.-1	सेमे.-II		1150/-	1150/-	1150/-
बी.ए.-2	सेमे.-III		1954/-	2194/-	2438/-
बी.ए.-2	सेमे.-IV		1150/-	1150/-	1150/-
बी.ए.-3	सेमे.-V				
बी.ए.-3	सेमे.-VI				
बी.ए.-3			2554/-	2794/-	3034/-

नोट– वोकेशनल कोर्स शुल्क रु. 250/- प्रति सेमेस्टर (प्रथम चार सेमेस्टर)

स्नातक भाषा एवं कला संकाय में प्रवेश के समय देय शुल्क

क्र.सं.	विवरण	रु.	पैसा
1.	शिक्षण शुल्क (छात्राओं का यं शुल्क नहीं लगेगा)	132	00
2.	महंगाई शुल्क	42	00
3.	प्रयोगशाला	240	00
4.	वाचनालय	24	00
5.	प्रवेश, पुनः प्रवेश	5	00
6.	क्रीड़ा शुल्क	120	00
7.	परिचय-पत्र शुल्क	50	00
8.	पत्रिका शुल्क	12	00
9.	चिकित्सा शुल्क	6	00
10.	परिषद्, शिक्षणेत्तर कार्यक्रम एवं दीक्षान्त समारोह	13	00
11.	शीत-ताप शुल्क	100	00
12.	छात्र-सहायता शुल्क	12	00
13.	छात्र पंजिका शुल्क	3	00
14.	छात्र-संघ शुल्क	5	00
15.	सुरक्षित धन बिना प्रायोगिक	25	00
	(प्रायोगिक प्रति एक विषय)	25	00
16.	पुस्तकालय शुल्क	36	00
17.	साइकिल स्टैण्ड शुल्क	100	00
18.	विकास शुल्क120	00	
19.	रोवर्स रेंजर्स	24	00
20.	विश्वविद्यालय परीक्षा (नामांकन विकास, अंक पत्र एवं उपाधि शुल्क)		
	बी.ए.-1 सेमे.-I	1350	00
	बी.ए.-1 सेमे.-II	1150	00
	बी.ए.-2 सेमे.-III	1150	00
	बी.ए.-2 सेमे.-IV	1150	00
	बी.ए.-3	1750	00

नोट– गृहविज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा लेने वाले छात्र/छात्राओं को अतिरिक्त शुल्क रु. 2000.00 (दो हजार रुपये) प्रति विषय देय होगा क्योंकि उपरोक्त विषयों की मान्यता स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत है।

वाणिज्य संकाय के लिए कक्षागत निर्धारित शुल्क विवरण

कक्षाएँ	भाग	सीट	कक्षाओं के शुल्क
बी.कॉम.-1	सेमे.-I	360	6350/-
बी.कॉम.-1	सेमे.-II		1150/-
बी.कॉम.-2	सेमे.-III		6350/-
बी.कॉम.-2	सेमे.-IV		1150/-
बी.कॉम.-3	सेमे.-V		
बी.कॉम.-3	सेमे.-VI		
बी.कॉम.-3			6350/-

नोट– वोकेशनल कोर्स शुल्क रु. 250/- प्रति सेमेस्टर (प्रथम चार सेमेस्टर में)

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु कक्षागत निर्धारित शुल्क विवरण

कक्षाएँ	भाग	सीट	कक्षाओं के शुल्क
एम.ए.-1 हिन्दी	सेमे.-1 सेमे.-2	60	8200.00
एम.ए.-2 हिन्दी			8200.00
एम.ए.-1 राजनीतिशास्त्र	सेमे.-1	60	8200.00
एम.ए.-1 राजनीतिशास्त्र	सेमे.-2		
एम.ए.-2 राजनीतिशास्त्र			8200.00
एम.ए.-1 मनोविज्ञान, भूगोल सेन्य विज्ञान	सेमे.-1	30	11200.00
एम.ए.-1 मनोविज्ञान, भूगोल सेन्य विज्ञान	सेमे.-2		
एम.ए.-2 मनोविज्ञान, भूगोल सेन्य विज्ञान			11200.00
एम.कॉम.-1	सेमे.-1	60	11200.00
एम.कॉम.-1	सेमे.-2		
एम.कॉम.-2			11200.00

शुल्क समय-समय पर निर्गत राजाज्ञानुसार या विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित होने पर देय होगी

सीट संख्या विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार घट-बढ़ सकती है।

शुल्क जमा करने का समय सुबह 10.00 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक ही है।

जिस छात्र/छात्रा का शुल्क जमा करना है, उसी छात्रा/छात्र को स्वयं शुल्क जमा करना होगा। किसी दूसरे द्वारा शुल्क जमा करना सम्भव नहीं होगा।

महत्त्वपूर्ण सम्पर्क सूत्र

1.	स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग	9450519869
2.	स्नातकोत्तर राजनीतिशास्त्र विभाग	9415890058
3.	स्नातकोत्तर भूगोल विभाग	9919903494
4.	स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग	9415880551
5.	स्नातक वाणिज्य विभाग	9532460688
6.	स्नातकोत्तर वाणिज्य	9453866908
7.	स्नातकोत्तर सैन्य विज्ञान	9415069522
8.	स्नातक शारीरिक शिक्षा	9984809085
9.	स्नातक गृहविज्ञान	9453810510
10.	**चीफ प्राक्टर**	**9415350310**
11.	**महिला शिकायत प्रकोष्ठ**	**9415888082**
12.	एण्टी रैगिंग कमेटी	9450718970
13.	परीक्षा विभाग	9415887422
14.	कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र	9838042774 9452729951
15.	उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र	9335119535 9415890058

शैक्षिक पंचांग

Special Celebration Days of the institution

(1) Independence Day-15 August
(2) College Day (Annual Function)-01 December
(3) Mahatma Gandhi Jayanti-02 October
(4) Republic Day-26 January
(5) Maha Shivratri (Swami Sahajanand Jayanti)
(6) Founder's Day-15 June

क्रमांक	कार्यक्रम	सम्भावित तिथि/माह
1.	महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन आवेदन पत्र भरने की तिथि	14 जून से 20 अगस्त, 2022
2.	प्रवेश परीक्षा (एम.कॉम.)	24 अगस्त, 2022 (प्रातः 9:00 बजे से 10:30 तक)
3.	एम. कॉम. प्रवेश परीक्षा के परिणाम की घोषणा	31 अगस्त, 2022
4.	(क) महाविद्यालय में स्नातक कला एवं वाणिज्य प्रथम वर्ष कक्षाओं में प्रवेश हेतु काउंसलिंग की तिथि	06 जुलाई, 2022
	(ख) एम.कॉम. एवं एम. ए. प्रथम वर्ष की कक्षा में प्रवेश हेतु काउंसलिंग की तिथि	01 सितम्बर, 2022
5.	महाविद्यालय में स्नातक भाग एक, दो व तीन तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष एवं अन्तिम वर्ष की कक्षाओं में प्रवेश की अंतिम तिथि	17 सितम्बर, 2022
6.	शिक्षण कार्य प्रारम्भ करने की तिथि	
	(क) स्नातक भाग एक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	13 सितम्बर, 2022
	(ख) स्नातक भाग दो, भाग तीन एवं स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष	13 सितम्बर, 2022
7.	दशमोत्तर छात्रवृत्ति	सितम्बर माह द्वितीय सप्ताह
8.	छात्रसंघ चुनाव	नवम्बर माह का द्वितीय सप्ताह
9.	उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश	जनवरी व जुलाई माह
10.	छात्रावास में कमरे का आवंटन	सितम्बर तृतीय सप्ताह

11.	छात्रों द्वारा आनलाइन परीक्षा फार्म भरने एवं महाविद्यालय में जमा करने की तिथि	नोटिस बोर्ड देखें
12.	परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होने की तिथि	नोटिस बोर्ड देखें
13.	रोवर्स/रेंजर्स कार्यक्रम में पंजीकरण	नवम्बर प्रथम सप्ताह 2022
14.	वार्षिकोत्सव समारोह (स्मृति)	01 दिसम्बर, 2022
15.	शीतावकाश (विश्वविद्यालय द्वारा घोषित होगा)	25 दिसम्बर, 2022 से 31 दिसम्बर, 2022 तक
16.	राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम	अक्टूबर माह 2022 से प्रारम्भ
17.	वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता	अक्टूबर माह 2023
18.	प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षा	मार्च माह 2023
19.	शिक्षण कार्य की अन्तिम तिथि	28 फरवरी, 2023
20.	विश्वविद्यालय परीक्षा	मार्च माह प्रथम सप्ताह 2023 (विश्वविद्यालय द्वारा घोषित होगा)
21.	ग्रीष्मावकाश (विश्वविद्यालय द्वारा घोषित होगा)	01 मई से 30 जून, 2023
22.	परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि	जून माह अन्तिम सप्ताह 2023 (विश्वविद्यालय द्वारा घोषित होगा)

नोट–शासकीय आदेशानुसार घोषित तिथियों में परिवर्तन सम्भव है।

HOW TO APPLY
(फार्म भरने हेतु अनुदेश)

1. बी.ए., बी. काम. तथा एम.ए. के भूगोल, मनोविज्ञान, सैन्यविज्ञान हिन्दी एवं राजनीतिशास्त्र विषयों के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु सर्वप्रथम ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन महाविद्यालय की वेबसाइट **www.sspgc.ac.in** पर निर्धारित तिथि के भीतर करना होगा। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश मेरिट का आवश्यकतानुसार प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा।

   इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन फार्म तथा अन्य आवश्यक पत्रजात (विवरणिका के अनुसार) के साथ काउँसिलिंग हेतु उपस्थित होना होगा। बी. ए. एवं बी. कॉम. पाठ्यक्रमों की काउँसिलिंग 18 जुलाई, 2022 से प्रारम्भ होगी तथा एम. ए. के समस्त विषयों की काउँसिलिंग 01 सितम्बर से प्रारम्भ होगी।

2. एम. काम. प्रथम वर्ष में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होगा जिसके लिए सर्वप्रथम महाविद्यालय के वेबसाइट www.sspgc.ac.in पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। एम.काम. प्रवेश परीक्षा अगस्त माह में होगी, इसका परिणाम 31 अगस्त को जारी होगा एवं 01 सितम्बर से काउंसिलिंग प्रारम्भ होगी। प्रवेश परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के आधार पर होगी जिसमें प्रश्नों की संख्या 50 होगी एवं सभी प्रश्न अनिवार्य हैं, प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

   प्रवेश परीक्षा में ओ. एम. आर. उत्तर पत्रक भरने हेतु केवल काले बॉल प्वाइंट पेन का ही प्रयोग करना होगा। परीक्षा कक्ष में लॉग बुक, कैल्कुलेटर, सेल्लुलर फोन इत्यादि ले जाना एवं उसका उपयोग करना वर्जित है। प्रवेश परीक्षा में प्रवेश पत्र लेकर आना अनिवार्य है जिन अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र पर फोटो मुद्रित नहीं है वे अभ्यार्थी परीक्षा केन्द्र पर दो फोटो तथा कोई एक आई डी. प्रूफ जैसे आधार, बैंक पास बुक या वोटर कार्ड की मूल एवं एक छाया प्रति लेकर आना होगा।

3. फार्म में फोटो एवं Student Signature ब्राउज करें।

4. Waitage का लाभ जो छात्र/छात्रा प्राप्त करना चाहते हैं वो सम्बन्धित वेटेज को क्लिक अवश्य करेंगे अन्यथा उन्हें वेटेज का लाभ नहीं मिलेगा।

5. फोटो की साईज 20 से 50 kb के बीच होना आवश्यक है।

6. हस्ताक्षर की साईज 10 से 20 kb के बीच होना आवश्यक है।

7. प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र आवेदन करने के तुरन्त बाद महाविद्यालय की वेबसाइट www.sspgc.in पर Student Login को क्लिक करने के पश्चात् Existing User को क्लिक करना होगा, यहाँ से प्रवेश पत्र का प्रिंट आउट प्राप्त किया जा सकता है।

8. आनलाइन आवेदन पत्र भरने के पश्चात् इसकी हार्ड कापी को छात्र/छात्राएँ अपने पास सुरक्षित रखेंगे। महाविद्यालय में जमा नहीं करना है। काउँसिलिंग के समय आवेदन पत्र की हार्ड कापी, प्रवेश पत्र एवं वांछित प्रपत्रों (विवरणिका के अनुसार) के साथ प्रवेश समिति के सम्मुख प्रस्तुत होना होगा।

9. प्रवेश परीक्षा का परिणाम महाविद्यालय की वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध होगा साथ ही अभ्यर्थी द्वारा दर्ज कराये गये Email Id और मोबाइल नं. पर SMS द्वारा भेजा जाएगा।

10. अधिक जानकारी हेतु फोन नं. 0548-2226349 पर पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 2 बजे के बीच सम्पर्क करें।

11. समस्त पाठ्यक्रमों हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने हेतु निर्धारित रजिस्ट्रेशन शुल्क 250 रुपया रजिस्ट्रेशन के वक्त ही वेबसाइट पर उपलब्ध ऑनलाइन पेमेंट मोड के माध्यम से ऑनलाइन जमा करने के पश्चात् की रजिस्ट्रेशन पूर्ण हो सकेगा।

12. ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ होने की तिथि 14 जून, 2022 एवं अन्तिम तिथि 20 अगस्त, 2022 है।

13. बी.ए. एवं बी.काम. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु अनिवार्य योग्यता किसी भी वर्ग से इण्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण है इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अभ्यार्थी की आयु 18 से 20 वर्ष के बीच होनी चाहिए, आयु की गणना 1 जुलाई से की जाएगी। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु वे ही अभ्यार्थी पात्र होंगे जिन्होंने योग्यता प्रदायी परीक्षा विगत 2 वर्षों या उसके बाद उत्तीर्ण की हो, वे अभ्यर्थी जो योग्यता प्रदायी परीक्षा में इस वर्ष बैठे हों वे भी आवेदन कर सकते हैं परन्तु उन्हें काउंसिलिंग के समय अंकपत्र प्रस्तुत करना होगा।

14. स्नातकोत्तर कला संकाय की कक्षाओं में प्रवेश स्नातक भाग दो में पठित किसी विषय में लिया जा सकता है किन्तु स्नातक भाग तीन में पठित विषय को प्राथमिकता दी जाएगी। एम.काम. में प्रवेश की अर्हता बी.काम. उत्तीर्ण है। स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु वे ही अभ्यार्थी पात्र होंगे जिन्होंने योग्यता प्रदायी परीक्षा विगत 2 वर्षों या उसके बाद उत्तीर्ण की हो। वे अभ्यार्थी जो योग्यता प्रदायी परीक्षा में इस वर्ष बैठे हों वे भी आवेदन कर सकते हैं परन्तु उन्हें काउन्सिलिंग के समय अंकपत्र प्रस्तुत करना होगा।

15. प्रवेश कार्यक्रम से सम्बन्धित उपरोक्त निर्धारित तिथियाँ आवश्यकता पड़ने पर परिवर्तित हो सकती हैं अतः अद्यतन जानकारी हेतु महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम सूचना देखते रहें।

16. महाविद्यालय की वेबसाइट www.sspgc.ac.in पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फार्म भरते समय अगर SMS रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर नहीं पहुँचता है तब कम्प्यूटर स्क्रीन पर प्रदर्शित रजिस्ट्रेशन नम्बर को देखकर उससे आगे की प्रक्रिया पूरी करें।

●

स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय • गाजीपुर (उ. प्र.)
स्वर्ण जयंती वर्ष : 1972 - 2022

संस्थापक जी की प्रतिमा को नमन करते सचिव महोदय

दण्डि-स्वामी सहजानंद सरस्वती
(1889-1950)

एकेडमिक ब्लाक

खेल के मैदान पर

सचिव महोदय श्रमदान करते हुये

प्रयोगशाला भवन

स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर-233001 (उ.प्र.)

Swami Sahjanand PG College, Ghazipur-233001 (U.P.)

Affiliated to V.B.S. Purvanchal University & Recongnised by UGC under Section 2(F) & 12 (B)

Golden Jubilee Year 1972-2022

Now Accepting Applications

- **Admission open for 2022-2023**
- **As per NEP-2020 Curriculum**
- **B.A.**
- **B.COM**
- **M.A. in Hindi, Political Science, Psychology, Geography, Defence & Strategic Studies**
- **M.COM**

Website-
www.sspgc.ac.in

Email
sahjanand.gzp@gmail.com

Also available :
Courses of Rajarshi Tandon Open University

We Provide

- **Qualified, dedicated and inspiring faculty.**
- **A well-defined curriculum as per NEP-2020.**
- **Well-furnished library.**
- **Gym and sports facility.**
- **Seminar room and equipped auditorium.**
- **Co-curriculum Activities- NCC, NSS and Rovers-Rangers.**